जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 151 दिनांक:15-05-2022 रविवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर में शनिवार को एडवोकेट कमिश्नर कार्रवाही के तहत तहखानों में कमल व स्वस्तिक की बनावट मिलने की बात सामने आई है। हालांकि प्रतिवादी पक्ष के अधिवक्ता तौहीद खां ने उसे ईंट पत्थर के निर्माता का ब्रांड बताया है।

उदयपुर में शनिवार को 'नव संकल्प शिविर' में एआईसीसी के सामान्य सचिवों, प्रभारी, पीसीसी अध्यक्षों और सीएलपी की बैठक की अध्यक्षता करती कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी।

ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का हुआ सर्वे, आज भी रहेगा जारी

वाराणसी (ईएमएस)। धार्मिक राजधानी वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का सर्वे-वीडियोग्राफी कार्य शनिवार सुबह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एक बार फिर शुरू हो गया। अधिकृत व्यक्ति, जिनमें सभी पक्ष, उनके वकील, अधिवक्ता आयुक्त और वीडियोग्राफर शामिल हैं, ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में पहुंचकर सर्वेक्षण का काम शुरू हुआ। इस दौरान पूर्णतया शांति रही और किसी भी पक्ष ने कोई अवरोध उत्पन्न नहीं किया। वहीं कल रविवार को भी सर्वे का काम जारी रहेगा।

सर्वे के दौरान ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के 500 मीटर के दायरे में लोगों की आवाजाही रोक दी गई है। पुलिस ने गोदौलिया और मैदागिन इलाके से वाहनों की आवाजाही भी प्रतिबंधित कर दी है। वहीं शांति भंग न हो इसके लिए 1,500 से अधिक पुलिसकर्मियों और पीएसी जवानों को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की सुरक्षा में तैनात किया गया था। ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में प्रवेश करने से पहले हिंदू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने कहा कि अधिवक्ता आयुक्त अजय मिश्रा ने सर्वे टीम के सभी सदस्यों को सुबह 7.30 बजे विश्वनाथ मंदिर परिसर के गेट नंबर-4 पर हाजिर होने का निर्देश दिया था। परिसर की वीडियोग्राफी के लिए विशेष लाइट और कैमरे की व्यवस्था की गई थी। सर्वे टीम में मुकदमे के वादी, प्रतिवादी, उससे जुड़े अधिवक्ता, अधिवक्ता आयुक्त और सहायक अधिवक्ता आयुक्त शामिल हैं।

विदित हो कि ज्ञानवापी मस्जिद प्रतिष्ठित काशी विश्वनाथ धाम के करीब स्थित है और स्थानीय अदालत महिलाओं के एक समूह द्वारा इसकी बाहरी दीवारों पर मूर्तियों के सामने दैनिक प्रार्थना की अनुमति मांगने से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही है। इससे पूर्व दीवानी अदालत के न्यायाधीश (सीनियर डिविजन) रवि कुमार दिवाकर ने बृहस्पतिवार को मुस्लिम पक्ष की आपत्ति खारिज करते हुए ज्ञानवापी मस्जिद के अंदर भी सर्वे कराने और इस कार्य के लिए नियुक्त अधिवक्ता आयुक्त अजय मिश्रा को नहीं हटाने का निर्णय लिया था।

उल्लेखनीय है कि वाराणसी की अदालत ने ज्ञानवापी-शृंगार गौरी परिसर का सर्वे-वीडियोग्राफी कार्य कराने के लिए नियुक्त अधिवक्ता अयुक्त अजय मिश्रा को पक्षपात के आरोप में हटाने की मांग संबंधी याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी थी। अदालत ने स्पष्ट किया था कि ज्ञानवापी मस्जिद के अंदर भी वीडियोग्राफी कराई जाएगी। दीवानी अदालत के न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) दिवाकर ने अधिवक्ता आयुक्त मिश्रा को हटाने संबंधी याचिका को नामंजूर करते हुए विशाल सिंह को विशेष अधिवक्ता आयुक्त और अजय प्रताप सिंह को सहायक अधिवक्ता आयुक्त के तौर पर नियुक्त किया था। उन्होंने संपूर्ण परिसर की वीडियोग्राफी करके 17 मई तक रिपोर्ट पेश करने के निर्देश भी दिए थे।

माणिक साहा बने त्रिपुरा के नए मुख्यमंत्री

अगरतला (ईएमएस)। त्रिपुरा में बिप्लब कुमार देब के इस्तीफे के बाद भाजपा ने माणिक साहा को नया मुख्यमंत्री बनाने का फैसला किया है। शनिवार की शाम को भाजपा विधायक दल की बैठक में माणिक साहा के नाम पर मुहर लगाई गई। देब के इस्तीफे के बाद कई नामों की चर्चा चल रही थी, जिनमें माणिक साहा का नाम भी शामिल था। आखिरकार तमाम नेताओं ने साहा को ही विधायक दल का नेता चुना। इसके बाद वह जल्द शपथ लेकर सीएम का पद संभाल सकते हैं। मणिक साहा राजभवन के लिए निकल चुके हैं। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि साहा को त्रिपुरा भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर बहुत-बहुत बधाई। मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और आपके नेतृत्व में त्रिपुरा विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा। ज्ञात हो कि मणिक साहा त्रिपुरा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं और राज्यसभा सांसद भी हैं। पार्टी ने चुनावों से ठीक एक साल पहले उन पर भरोसा जताते हुए ये अहम जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है।

इसके पहले देब ने कहा कि पार्टी सबसे ऊपर है। मैं भाजपा का एक वफादार कार्यकर्ता हूं। मुझे उम्मीद है कि मुझे जो जिम्मेदारियां दी हैं, मैंने उसके साथ न्याय किया है चाहे वह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हों या त्रिपुरा के मुख्यमंत्री। मैंने त्रिपुरा राज्य के लोगों के लिए शांति सुनिश्चित करने के लिए समग्र विकास के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि 2023 का चुनाव आ रहा है। पार्टी चाहती है कि एक जिम्मेदार व्यक्ति यहां के मामलों की कमान संभाले। सरकार तभी बन सकती है, जब संगठन मजबूत हो। चुनाव के बाद जाहिर तौर पर कोई मुख्यमंत्री बनेगा।

देब गुरुवार को नई दिल्ली गए थे और पूर्वोत्तर राज्य में पार्टी के मामलों पर चर्चा के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिले थे। निवर्तमान मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी चाहती है कि मैं संगठन को मजबूत करने के लिए काम करूं। उन्होंने कहा कि लोग यहां लंबे समय तक भाजपा की सरकार चाहते हैं। अगर मेरे जैसा व्यक्ति संगठन के लिए काम करता है, तो जाहिर तौर पर इससे मदद मिलेगी।

महिला रिजर्वेशन पर कांग्रेस का कोटे के भीतर कोटा का समर्थन, निजी क्षेत्र में भी आरक्षण की वकालत की

उदयपुर। कांग्रेस ने अपनी राजनीतिक वापसी के लिए बड़ा सामाजिक दांव खेलने की तैयारी का चिंतन शिविर में साफ संकेत देते हुए संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए प्रस्तावित 33 प्रतिशत आरक्षण कोटे के भीतर ओबीसी और एससी-एसटी वर्ग की महिलाओं के लिए अलग से कोटा देने का समर्थन किया है। महिला आरक्षण में अब तक कोटे का विरोध कर रही कांग्रेस ने इस मुद्दे पर यू-टर्न लेने के साथ ही संसद और विधानसभाओं में ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षण की पैरोकारी कर इस बड़े सामाजिक समूह को साधने का सियासी दांव भी चल दिया है।

इसी कड़ी में पार्टी ने निजी क्षेत्र की नौकरियों में ओबीसी, एससी-एसटी के लिए आरक्षण की वकालत की है। देश के सियासी समीकरणों को गहरे रूप से प्रभावित करने वाले इन मुद्दों पर अपनी गंभीरता का संदेश देने के लिए कांग्रेस ने पार्टी संगठन के हर स्तर पर ओबीसी, एससी-एसटी, महिलाओं और अल्पसंख्यकों को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव कांग्रेस कार्यसमिति के समक्ष रख दिया है।

उदयपुर नव संकल्प चिंतन शिविर के दूसरे दिन सामाजिक न्याय की सियासत के सहारे अपने सिकुड़ते राजनीतिक आधार को फिर से पाने के इस रोडमैप का संकेत देकर कांग्रेस ने साफ कर दिया कि केवल संगठनात्मक बदलाव ही इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं है। मौजूदा राजनीति की हकीकत के अनुरूप सामाजिक समीकरणों को दुरुस्त करके ही पार्टी अपने सियासी आधार को बढ़ा सकती है। कांग्रेस ने सत्ता में वापसी के लिए बड़ा सियासी दांव चलत हुए संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए प्रस्तावित 33 फीसद आरक्षण कोटा के भीतर कोटा देने का समर्थन किया है। यही नहीं निजी क्षेत्र की नौकरियों में आरक्षण की वकालत की है।

महिला आरक्षण पर कांग्रेस का बदला रुख इसका स्पष्ट संकेत है। चिंतन शिविर में सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण समूह अपनी दो दिन की चर्चाओं के बाद महिला आरक्षण में कोटे के भीतर कोटे के प्रस्ताव का समर्थन करने के निष्कर्ष पर पहुंचा। चिंतन शिविर से पूर्व तक कांग्रेस इसके खिलाफ थी, इसीलिए संप्रग सरकार में राज्यसभा में महिला आरक्षण विधेयक पारित होने के बाद भी लोकसभा में इसकी राह नहीं बन पाई। तब कांग्रेस के सहयोगी दलों के साथ ही सपा और बसपा जैसे दलों ने कोटे के भीतर कोटे की मांग उठाई थी। ऐसे में इस यू-टर्न का कारण पूछे जाने पर समूह के प्रमुख सलमान खुर्शीद और सदस्य कुमारी सेलजा ने कहा कि आज की सामाजिक और राजनीतिक हकीकत काफी बदल गई है। बदले समय की मांग है कि महिला आरक्षण में ओबीसी, एससी-एसटी के लिए अलग से कोटा निर्धारित हो।

ओबीसी वर्ग के लिए संसद और विधानसभाओं में आरक्षण लागू करने के प्रस्ताव पर सलमान खुर्शीद ने कहा कि अभी इसको लेकर चर्चा शुरू हुई है। हम मानते हैं कि समय की मांग है कि इस पर आगे बढ़ा जाए। कांग्रेस कार्यसमिति इस प्रस्ताव पर रविवार को विचार करके अंतिम फैसला लेगी। सेलजा ने कहा कि सामाजिक न्याय के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता का ही प्रमाण है कि हमने संगठन के हर स्तर पर ओबीसी, एससी-एसटी, अल्पसंख्यकों और महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव तैयार कर लिया है। ओबीसी वर्ग में भाजपा और क्षेत्रीय दलों के वर्चस्व को तोड़कर अपने लिए जगह बनाने की कांग्रेस की बेचैनी इस बात से भी जाहिर होती है कि पार्टी अब जातिगत जनगणना का समर्थन करने की लगभग तैयारी कर चुकी है। उचतन शिविर में जातिगत जनगणना की पैरोकारी का प्रस्ताव भी रखा गया है।

अमृतसर के गुरु नानक देव अस्पताल में भीषण आग

अमृतसर (ईएमएस)। पंजाब के अमृतसर में गुरु नानक देव अस्पताल में भीषण आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंच गई हैं और मरीजों को बाहर निकाला गया। मिली जानकारी के अनुसार, घटना शनिवार दोपहर की बताई जा रही है। अमृतसर के गुरु नानक देव अस्पताल में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं और आग बुझाने का काम जारी है। दमकल अधिकारी लवप्रीत सिंह ने कहा, ठशुरुआत में ट्रांसफार्मर में आग लग गई। दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। आग पर काबू पा लिया गया है। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं हैठ उधर, पंजाब के मंत्री हरभजन सिंह ने कहा, ठमामले की जांच की जाएगी।

भविष्य के ईंधन हाइड्रोजन से भारत भरेगा उड़ान, प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रालयों को दिए निर्देश

नई दिल्ली। अगर देश को आयातित ईंधन से छुटकारा पाना है तो हमें ग्रीन हाइड्रोजन ईंधन का ही सहारा लेना होगा। यह मंत्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी कैबिनेट के प्रमुख सहयोगियों को दिया है। पिछले दिनों कैबिनेट की बैठक के बाद पीएम मोदी ने देश के ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े सभी मंत्रियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की और उसमें हर मंत्रालय को ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में अपनी महत्वाकांक्षी नीति बनाने का निर्देश दिया। अगस्त 2021 में ग्रीन हाइड्रोजन मिशन का आरंभ करने के बाद इस क्षेत्र में प्रधानमंत्री की यह पहली बैठक थी।

पीएम के निर्देश के बाद अब पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय, बिजली मंत्रालय, अक्षय ऊर्जा मंत्रालय में ग्रीन हाइड्रोजन को लेकर भावी उपायों का रोडमैप बनने लगा है। पीएम के स्तर पर हाइड्रोजन ईंधन को लेकर यह उच्चस्तरीय बैठक तब हुई है जब सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्र की कंपनियों की तरफ से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस बारे में कई घोषणाएं की गई हैं।

हाल ही में देश के सबसे बड़े उद्योग समूह रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कहा है कि उसका मकसद देश में हाइड्रोजन ईंधन की कीमत वर्ष 2030 तक मौजूदा पांच डालर प्रति किलो से घटा कर एक डालर प्रति किलो करना है। इसके लिए कंपनी ने ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर में 75 अरब डालर (लगभग 5.62 लाख करोड़ रुपये) का निवेश करने का भी एलान किया है। गैस सेक्टर की सरकारी क्षेत्र की कंपनी गेल इंडिया लिमिटेड ने देश में ग्रीन हाइड्रोजन की ढुलाई के उद्देश्य से आवश्यक ढांचागत सुविधा तैयार करने के लिए सबसे बड़ी परियोजना पर काम शुरू किया है। साथ ही कंपनी ने मध्य प्रदेश के गुणा में ग्रीन हाइड्रोजन का सबसे बड़ा प्लांट लगाने पर काम भी शुरू कर दिया है।

अदाणी समूह ने पहले ही वर्ष 2030 तक ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में 70 अरब डालर (लगभग 5.25 लाख करोड़ रुपये) के निवेश का एलान किया है। देश के पेट्रोलियम रिफाइनिंग व मार्केटिंग की सबसे बड़ी कंपनी (सरकारी) इंडियन आयल ने ग्रीन हाइड्रोजन से जुड़े पूरे इकोसिस्टम में उतरने के लिए संयुक्त उद्यम बना चुकी है। ग्रीन हाइड्रोजन की इन संभावनाओं को देखते हुए ही पीएम मोदी ने आजादी की 100वीं वर्षगांठ पर देश को आयातित ऊर्जा से मुक्ति दिलाने की बात कही है। ग्रीन हाइड्रोडन के लिए दो सबसे बड़ी जरूरत पानी और सस्ती बिजली है। भारत ने वर्ष 2030 तक अक्षय ऊर्जा से पांच लाख मेगावाट बिजली बनाने का लक्ष्य रखा है जो ग्रीन हाइड्रोजन के लिए बहुत ही जरूरी साबित होगा।

मौजूदा सरकार ने ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत देश में वर्ष 2030 तक 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रखा है। लेकिन यह तभी पूरा होगा जब तकनीक उन्नयन को लेकर यथोचित सफलता हासिल हो।

17 मई को मुंबई में दो नौसैनिक युद्धपोत 'सूरत' और 'उदयगिरी' का होगा जलावतरण

मुंबई, (ईएमएस)। भारतीय नौसेना में जब एक निश्चित अवधि के बाद विभिन्न प्रकार के युद्धपोत सेवानिवृत्त होते हैं, तो उन्हें नए युद्धपोतों से बदल दिया जाता है। समय के साथ, बदलती तकनीकों और बदलती रणनीति के अनुकूल नए युद्धपोत बनाए जाते हैं। इसके तहत देश के अलग-अलग डॉक में अलग-अलग क्षमता के युद्धपोतों का निर्माण शुरू हो गया है. मुंबई के मझगांव डॉक्स लिमिटेड में वर्तमान में दो महत्वपूर्ण युद्धपोत निर्माणाधीन हैं। 17 मई को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में उन दो युद्धपोत, डिस्ट्रॉयर और फ्रिगेट वेरिएंट में एक-एक लॉन्च किया जाएगा। विध्वंसक युद्धपोत का नाम सूरत (आईएनएस सूरत-डी69) रखा गया है और दूसरे युद्धपोत का नाम उदयगिरी रखा गया है। बेशक, जब ये युद्धपोत वास्तविक नौसेना की सेवा में प्रवेश करेंगे, तो उन्हें संबंधित नाम दिए जाएंगे। सूरत को अब यार्ड नंबर-12707 के नाम से जाना जाता है। उदगिरी को यार्ड नंबर-12653 के नाम से जाना जाता है। मझगांव डॉकयार्ड ने अब तक कई युद्धपोत बनाए हैं। हालांकि, यह पहली बार है जब दो युद्धपोतों का संयुक्त प्रक्षेपण हुआ है। दोनों युद्धपोतों को 17 मई को पहली बार खास अंदाज में गोदी से उतारा जाएगा, युद्धपोत पहली बार पानी को छूएंगे.

दिल्ली में मुंडका के बाद नरेला की एक फैक्ट्री में लगी भीषण आग, दमकल की कई गाड़ियां पहुंचीं

नई दिल्ली, उत्तरी दिल्ली के नरेला में शनिवार रात एक फैक्ट्री में भीषण आग लगने की खबर सामने आई है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक यह आग एक प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी है। घटना की सूचना के बाद दमकल विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे हैं। जहां लगातार आग बुझाने का काम जारी है। दिल्ली दमकल सेवा के अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक किसी के भी व्यक्ति के फैक्ट्री के अंदर फंसे होने की सूचना नहीं दी गई है। साथ ही घटना में फिलहाल किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है।

दमकल अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात को नौ बजकर दस मिनट पर नरेला औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर देखा तो प्लास्टिक के दाने बनाने वाली फैक्ट्री में आग लगी हुई थी। इस वजह से और गाड़ियां बुला ली गई। शनिवार रात को करीब 11 बजे तक दमकल विभाग की 23 गाड़ियां मौके पर भेजी जा चुकी हैं। आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही थी। खबर में अपडेट लगातार जारी है।

मुंबई में एनसीबी ने डेढ़ करोड़ का ड्रग्स जब्त किया, अमेरिका से आए थे पार्सल

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने बड़ी कार्रवाई की है। एनसीबी की एक टीम ने छापेमारी कर करीब डेढ़ करोड़ रुपये का नशीला पदार्थ जब्त किया। इस कार्रवाई में एनसीबी ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आशंका जताई जा रही है कि इस तस्करी में और भी लोग शामिल हो सकते हैं। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है और उसके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है. गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल फोन तस्करों को पकड़ने के लिए जब्त कर लिए गए हैं। बताया गया है कि एनसीबी ने दो अलग-अलग ऑपरेशनों में ड्रग्स को जब्त किया था। एनसीबी की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक यह कार्रवाई शुक्रवार, 13 मई की देर रात की गई। कार्रवाई के दौरान कुल 1.770 किलो गांजा जब्त किया गया। यह जानकारी मुंबई एनसीबी के जोनल डायरेक्टर अमित घावटे ने दी। उन्होंने बताया है कि मुंबई एनसीबी ने 1.5 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की है। ये ऑपरेशन दो अलग-अलग जगहों पर किए गए। एनसीबी की टीम ने पहले ऑपरेशन में अमेरिका से भेजे गए पार्सल को एक विदेशी डाकघर में जब्त कर लिया। इसमें 850 ग्राम गांजा था। उसे मुंबई के ताड़देव में रहने वाले एक शख्स के पास भेजा गया था। एनसीबी की टीम आरोपी को गिरफ्तार करने में सफल रही है। पूछताछ में पता चला कि आरोपी की आपराधिक पृष्ठभूमि है।

राहुल गांधी ने ऐसे कोई संकेत नहीं दिए कि वो पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ेंगे

उदयपुर (ईएमएस)। कांग्रेस में भविष्य का पार्टी अध्यक्ष कौन होगा यह सवाल अभी भी अनुत्तरित है। अभी तक राहुल गांधी ने ऐसे कोई संकेत नहीं दिए हैं कि वो पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस ने एससी-एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों के लिए पार्टी के सभी पदों में से 50 फीसदी आरक्षित करने की योजना भी बनाई है।

इस बीच राजस्थान के उदयपुर में चल रहे चिंतन शिविर में पार्टी ने कांग्रेस संसदीय बोर्ड को गठित करने की मांग को स्वीकार कर लिया है। इस फैसले को अमलीजामा पहनाने के लिए कांग्रेस कार्यसमिति की मंजूरी की जरूरत होगी, जो पार्टी की शीर्ष निर्णयकारी संस्था है। इसके लिए चुनाव होगा या इसके सदस्य कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा नामित होंगे, यह मुद्दा समिति पर छोड़ दिया गया है। यह कांग्रेस के असंतुष्ट धड़े के नेताओं की अहम मांग थी। अब संसदीय बोर्ड चुनाव समिति की जगह लेगा। यह लोकसभा और विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों का चयन करेगा। सूत्रों का कहना है कि गांधी परिवार के करीबी इस बात को लेकर अडिग थे कि कांग्रेस संसदीय बोर्ड से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी न मिलने पाए और इसको लेकर पार्टी के भीतर तकरार थी।

137 साल पुरानी पार्टी के दूसरे दलों से गठबंधन के सवाल पर यह निर्णय किया गया है कि दूसरे दलों के साथ राज्य स्तर पर गठजोड़ किया जाए। ऐसे दलों से जो बीजेपी के साथ न जुड़े हों। हालांकि नेतृत्व के मुद्दे पर बड़ा सवाल बना हुआ है, क्योंकि राहुल गांधी ने ऐसे कोई संकेत नहीं दिए हैं कि वो पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ेंगे। यह चुनाव इसी साल के अंत में होना है। इस चिंतन शिविर में जो 'नवसंकल्प' दस्तावेज जारी होगा, वह आगे के कदमों की घोषणा (एक्शनेबल डिक्लियरेशन) होगा जिसमें यह संदेश भी दिया जाएगा कि राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन के लिए 'मजबूत कांग्रेस' का होना जरूरी है तथा गठबंधन से पहले कांग्रेस को मजबूत किया जाना महत्वपूर्ण है। सूत्रों ने बताया कि इस शिविर में कांग्रेस अध्यक्ष के स्तर पर बदलाव को लेकर शायद चर्चा नहीं हो क्योंकि इसके चुनाव की घोषणा पहले ही हो चुकी है।

16 मई को लगने वाला है चंद्र ग्रहण

नई दिल्ली। वर्ष 2022 का पहला चंद्रग्रहण 15 और 16 मई को दुनिया के विभिन्न हिस्सों से देखा जाएगा। हालांकि, इस बार यह चंद्रग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। घ्एऊ के अनुसार, ग्रहण 16 मई की सुबह 7:02 बजे घ्एऊ पर लगेगा और दोपहर 12:20 बजे समाप्त होगा।

प्राचीन काल से ही हमारे धार्मिक ग्रंथों और विद्वानों द्वारा यह माना जाता है कि सूर्य और चंद्र दोनों ग्रहण गर्भवती महिलाओं के लिए खराब होते हैं। ग्रहण की अवधि के दौरान बच्चे और मां की विशेष देखभाल की जानी चाहिए। इसके लिए यहां कुछ उपाय दिए गए हैं। हर गर्भवती महिला को चंद्र ग्रहण के दौरान बताए गए नियमों का पालन करना चाहिए। हालांकि किसी भी दावे के पीछे कोई वैज्ञानिक कारण नहीं है, लेकिन अगर आप ज्योतिष में विश्वास करते हैं, तो आप खुद को सुरक्षित रखने के लिए इन चरणों का पालन कर सकते हैं।

हिंदू धर्म में यह माना जाता है कि चंद्र ग्रहण तब होता है जब राहु और केतु पूर्णिमा की रात को चंद्रमा को पकड़ने का प्रयास करते हैं। इस वजह से इस अवधि में कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता है। इस कारण धार्मिक लोग विभिन्न मान्यताओं और रीति-रिवाजों का पालन करते हैं। . ग्रहण समाप्त होने के बाद स्नान करें।

चंद्र ग्रहण तब होता है, जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच खुद को संरेखित करती है और चंद्र सतह पर छाया डालती है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के अनुसार, चंद्र ग्रहण केवल पूर्णिमा के दौरान होता है। इसके अलावा, सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा की स्थिति के आधार पर तीन प्रकार के चंद्र ग्रहण होते हैं, पूर्ण चंद्र ग्रहण, आंशिक चंद्र ग्रहण और उपच्छाया चंद्र ग्रहण।

मोदी सरकार ने नहीं बनी बात,टेस्ला ने भारत में कार बेचने का प्लान होल्ड किया

मुंबई (ईएमएस)। भारत में फिलहाल टेस्ला कारों की एंट्री होती नहीं दिख रही है। कंपनी के सीईओ एलन मस्क ने अपनी इलेक्ट्रिक कारों को इंडियन मार्केट में बेचने का प्लान फिलहाल टाल दिया है। खबर के मुताबिक,टेस्ला इंक ने इंडिया में अपनी कारों के शोरूम के लिए जगह तलाशना बंद कर दिया है। इसके अलावा भारत में काम कर रही टीम को दूसरी जिम्मेदारियां सौंप दी हैं। इस मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि कंपनी ने भारत में एंट्री को प्लानिंग को होल्ड कर दिया है।

टेस्ला लंबे समय से मोदी सरकार से इलेक्ट्रिक कारों पर इंपोर्ट डयूटी कम करने की मांग कर रही थी। टेस्ला ने अमेरिका और चीन में स्थित प्रोडक्शन प्लांट से इंपोर्ट इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को कम टैरिफ पर बेचकर पहले टेस्टिंग की मांग की थी। लेकिन भारत सरकार टैरिफ कम करने से पहले टेस्ला को स्थानीय स्तर पर प्रोडक्शन करने के लिए कह रही थी। बता दें कि भारत में इंपोर्टेड कारों पर 100 प्रतिशत तक टैक्स लगता है।

टेस्ला ने इंडिया में कारों की लॉन्चिंग के लिए 1 फरवरी की डेडलाइन तय की थी, लेकिन मोदी सरकार ने आम बजट में भी इस पर कोई पॉजिटिव रुख नहीं दिखाया। कंपनी की भारत योजना से जुड़े सूत्रों ने बताया कि जब केंद्र सरकार ने टेस्ला को कारों को इंपोर्ट करने पर रियायत देने की पेशकश नहीं की, तब टेस्ला ने भारत में कारों के आयात की योजना को रोक दिया। इससे पहले महीनों तक टेस्ला ने प्रमुख भारतीय शहरों में शोरूम और सर्विस सेंटर खोलने के लिए जगह की तलाश कर रहा थी। टेस्ला पहले इलेक्ट्रिक कारों के लिए भारतीय बाजार को छोटे लेकिन उभरते हुए बाजार के तौर पर देख रहा था। हालांकि, इस सेगमेंट में भारतीय कार निर्माता टाटा का पहले से ही कब्जा है। इसके अलावा टेस्ला की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार की कीमत करीब 31 लाख रुपये से शुरू होती है। जो इस भारतीय बाजार में लग्जरी सेगमेंट में डाल देगी। इस सेगमेंट की बिक्री करीब 30 लाख की वार्षिक वाहन बिक्री का एक मामूली सा हिस्सा है।

कार्टून कोना

ओंटारियो प्रांतीय चुनावों में पंजाबियों का जलवा, 20 उम्मीदवार मैदान में

आटोवा (ईएमएस)। कनाडा के प्रांतीय चुनावों में पंजाबियों की अहम भूमिका रहती है। कनाडा के राजनीतिक दल प्रांतों में पंजाबियों की जनसंख्या को देखकर उन्हें चुनावी मैदान में उतारते हैं। ओंटारियो प्रांतीय चुनावों के लिए भी पंजाब मूल के 20 उम्मीदवार मैदान में हैं, जहां 123 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 2 जून को मतदान होना है। तीन प्रमुख राजनीतिक संगठन लिबरल, नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) और प्रोग्रेसिव कंजरवेटिव पार्टी (पीसी) दक्षिण एशियाई और विशेष रूप से पंजाबियों को अच्छा खासा प्रतिनिधित्व प्रदान करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक फाइनल लिस्ट में लिबरल पार्टी और प्रोग्रेसिव कंजरवेटिव पार्टी ने छह-छह पंजाबी, न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी ने पांच और ग्रीन पार्टी ने दो उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं, जबकि एक निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में है। अधिकांश पंजाबी प्रवासी बहुल टोरंटो के ब्रैम्पटन और मिसिसॉगा उपनगरों के 11 निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे हैं।

प्रोग्रेसिव कंजरवेटिव पार्टी ने ब्रैम्पटन ईस्ट से हरदीप ग्रेवाल, ब्रैम्पटन वेस्ट से अमनजोत संधू और मिसिसॉगा माल्टन से दीपक आनंद को मैदान में उतारा है। उदारवादियों ने ब्रैम्पटन ईस्ट से जन्नत गरेवाल, ब्रैम्पटन नॉर्थ से हरिंदर मल्ही, ब्रैम्पटन वेस्ट से रिम्मी झज्ज, मिसिसॉगा माल्टन से अमन गिल, ब्रैंटफोर्ड ब्रेंट से रूबी तूर और एसेक्स से मनप्रीत बरार को मैदान में उतारा है। एनडीपी ने सारा सिंह को ब्रैम्पटन सेंटर से, संदीप सिंह को ब्रैम्पटन नॉर्थ से, नवजोत कौर को ब्रैम्पटन वेस्ट और जसलीन कंबोज को थॉर्नहिल से मैदान में उतारा है। वहीं ग्रीन पार्टी ने अनीप ढडे को ब्रैम्पटन नॉर्थ से और मिनी बत्रा को डरहम से, जबकि मनजोत सेखों को ओंटारियो पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया है। 2018 में जीत हासिल करने वाले सात पंजाबी फिर से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इनमें से मिसिसॉगा स्ट्रीटविले से नीना तंगरी, मिल्टन से नागरिकता और बहुसंस्कृतिवाद मंत्री परम गिल, ओंटारियो ट्रेजरी बोर्ड के अध्यक्ष पर्बमीत सरकारिया ब्रैम्पटन साउथ से और एनडीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगमीत सिंह के छोटे भाई गुररतन सिंह शामिल हैं।

छद्म हिंदुत्ववादी पार्टी देश को गुमराह कर रही है - उद्धव ठाकरे

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि छद्म हिंदुत्ववादी पार्टी देश को गुमराह कर रही है। मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के मैदान में विशाल रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- भाजपा वाले आज दाऊद के पीछे पड़े है। कल को अगर दाऊद भाजपा में शामिल हो जाए तो ये लोग उसे मंत्री भी बना देंगे। मैंने बीच मे बोला था कि हमारा हिंदुत्व गदाधारी है, तुम्हारे जैसा घंटाधारी नहीं है।

ठाकरे ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि हमारा हिंदुत्व गदहाधारी है। हां हमने 3 साल पहले गधे को अपने साथ से हटा दिया है। गदा उठाने के लिए ताकत चाहिए, जो सिर्फ शिवसेना के पास है।

उद्धव ने कहा- 1 मई को फडणवीस बोले कि मुंबई को स्वतंत्र करेंगे। तुम्हारे जैसी कई पीढ़ियां भी ऐसा नहीं कर पाएंगे। जो भी ऐसा करने का प्रयास करेगा मराठी और हिंदू उसके टुकड़े-टुकड़े कर देगा। ऐसा भ्रम फैलाया जा रहा है कि भाजपा हिंदुत्व की रक्षक है। ये लोग मेरी मुंबई को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। ये झूठे हिंदुत्व का बुरखा डालकर ज्यादा आवाज कर रहे हैं। मैं बहुत दिनों बाद मैदान में उतरा हूं। खुली सांस ले रहा हूं। मुझे बहुत सारे विषयों पर बोलना है।

उद्धव ने आगे कहा कि संघ एक बार भी देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में नहीं उतरा। आपका देश की स्वतंत्रता में क्या रोल है? संयुक्त महाराष्ट्र कमेटी से सबसे पहले जनसंघ भागी थी। ध

उद्धव आगे बोले-औरंगाबाद संभा

जन हितैषी

छवि बदल रहे टीपू

यूपी विधानसभा चुनाव के बाद सपा में मुस्लिम नेताओं का अखिलेश के प्रति जो रवैया बाहर आया, उसकी तस्वीर अब साफ होने लगी है। सपा के कई मुस्लिम नेताओं ने अखिलेश पर मुसलमान विरोधी होने का आरोप लगाया है। कहा जा रहा है कि अखिलेश अब सॉफ्ट हिंदुत्व की राजनीति पर आगे बढ़ना चाहते है। इस रणनीति के तहत यूपी चुनाव में उन्हें फायदा भी मिला है। अब अखिलेश की सॉफ्ट हिंदुत्व की छवि का बड़ा उदाहरण सामने आया है। रमजान के माह में सपा ने अपनी कार्यशैली को बदलते हुए आधिकारिक रूप से इफ्तार पार्टी का आयोजन नहीं किया। अखिलेश सपा के दूसरे नेताओं की ओर से आयोजित पार्टियों में गए लेकिन जालीदार टोपी से परहेज किया। अब इसके मायने भी तलाशे जा रहे हैं। दरअसल, कोरोना महामारी से पहले सपा हर साल इफ्तार पार्टी का आयोजन करती रही है। मुलायम सिंह यादव के दौर से चली आ रही परंपरा को अखिलेश भी बखूभी निभाते रहे। लेकिन कोरोना महामारी में इसका आयोजन नहीं हो पाया। इस संक्रमण के काबू में होने की वजह से उम्मीद की जा रही थी कि मुसलमानों के एकतरफा वोट पाने वाले अखिलेश यादव समुदाय के लिए शानदार इफ्तार का आयोजन करेंगे। लेकिन लोग इंतजार ही करते रह गए। हां, पार्टी के कुछ नेताओं की ओर से आयोजित इफ्तार में अखिलेश यादव ने शिरकत जरूर की। इफ्तार पार्टियों में अखिलेश के लिबास ने भी सबका ध्यान खींचा और पहले की तस्वीरों से तुलना की जा रही है। 2017 तक इफ्तार में वह जालीदार टोपी और परंपरागत इस्लामिक परिधान में दिखते थे, लेकिन इस बार सपा की लाल टोपी पहने ही नजर आए। अब इस बात को लेकर खूब चर्चा है कि आखिर अखिलेश ने इफ्तार से क्यों परहेज किया? अखिलेश ने किसी मजबूरी के तहत नहीं बल्कि सोची-समझी रणनीति के तहत इफ्तार से परहेज किया है। कहा जा रहा है कि परिस्थितिवश यूपी में इस समय मुसलमानों के लिए एकमात्र विकल्प बन चुके अखिलेश अपनी छवि को लेकर बेहद सतर्क हैं। माना जा रहा है कि हिंदुत्ववादी भाजपा से लड़ रहे अखिलेश यादव को मुस्लिम परस्त छवि बनाए जाने का डर है और इस वजह से वह फूंक-फूंककर कदम रख रहे हैं। सपा अध्यक्ष को एक तरफ तो प्रो-मुस्लिम दिखने पर ध्रुवीकरण का डर सता रहा है। कथित सेक्युलर पार्टियों के नेता अब मंदिरों में जाते हुए दिखते हैं और पूजा-पाठ का सार्वजनिक प्रदर्शन करते हैं। इसके जरिए वह दिखाने की कोशिश करते हैं कि हम गैर हिंदू या मुस्लिम परस्त नहीं हैं। पिछले कुछ सालों के चुनावों को देखकर एक समझ बनी है कि सिर्फ मुसलमानों और या जाति विशेष के वोट के दम पर ही सरकार नहीं बनाई जा सकती है। सत्ता में आने के लिए सभी वर्गों खासकर बहुसंख्यक हिंदुओं के एक बड़े वर्ग के समर्थन की आवश्यकता है। कांग्रेस और राहुल गांधी की तरह अखिलेश यादव भी सॉफ्ट हिंदुत्व का सहारा लेते दिख सकते हैं, जिसकी शुरुआत उन्होंने विधानसभा चुनाव के दौरान ही अयोध्या और हनुमानगढ़ी जाकर कर दी थी।

अग्निकांडों से बचाव की तरकीब

पिछले चार साल में दिल्ली में आगजनी की भयंकर घटनाएं हुई हैं। लेकिन न तो जनता ने कोई सबक सीखा और न ही सरकारों ने कोई मुस्तैदी दिखाई। इसीलिए दिल्ली के मुंडका क्षेत्र में जबर्दस्त लोमहर्षक अग्निकांड हो गया है। एक चार मंजिला भवन में कुछ कंपनियों के दफ्तर चल रहे थे। वहां न तो कोई कारखाना था और न ही कोई भट्टी या चूल्हा था। शायद बिजली की खराबी से आग लगी। लगभग 30 लाशें तो कल ही मिल गई थीं और 30 से भी ज्यादा लोग अभी तक लापता हैं। जो लाशें मिली हैं, वे इस बुरी तरह जल गई हैं कि उन्हें पहचानना भी मुश्किल है। कई लोग खिड़कियों से कूदे तो उनके हाथ पावं टूट गए, कुछ लोग अपने अधजले शरीरों के साथ बाहर भागे और कुछ लोग उस भवन से इसलिए बाहर नहीं भाग पाए कि नीचे उतरने के लिए सिर्फ एक ही संकरी सीढ़ी थी। उस सीढ़ी पर भयंकर धकापेल थी और धुएं व आग ने उन्हें बिल्कुल बेकार बना दिया था। दिल्ली और केंद्र की सरकार ने हताहतों को काफी मुआवजे की घोषणा कर दी है लेकिन क्या किसी की जान को रूपयों से तोला जा सकता है? दिल्ली में ही नहीं, देश के हर शहर में आजकल ऊँचे-ऊँचे भवनों का निर्माण हो रहा है। हर ऊँचा भवन खतरे की घंटी बजाता रहता है। उसमें कभी भी आग लग सकती है और उसका कारण कुछ भी हो सकता है। सरकारों ने ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कानून-कायदे जरुर बनाए हैं लेकिन उन्हें लागू करने में सर्वत्र ढिलाई देखी जाती है। भवन-निर्माता लोग सुरक्षा प्रमाण-पत्र आसानी से हथिया लेते हैं। जब आग लग जाती है, तब मालूम पड़ता है कि वह सुरक्षा पत्र उन्हें रिश्वत के बदले मिला है। अग्नि सुरक्षा से संबंधित सभी अफसरों और कर्मचारियों को इस तरह के अग्निकांड होने पर जिम्मेदार क्यों नहीं ठहराया जाता? जब-जब इस तरह के अग्निकांड होते हैं तो हमारी फायर ब्रिगेड के कर्मचारी अपनी जान पर खेलकर नागरिकों की सुरक्षा करते हैं। उनकी बहादुरी सराहनीय है। इसी प्रकार आस-पास रहनेवाले नागरिक भी अग्निपीड़ितों को बचाने की भरपूर कोशिश करते हैं। वे सीढ़ियां लगा देते हैं, ऊपर से कूदनेवालों के लिए नीचे तिरपाल थामे रहते हैं, जलते हुए भवन में अंदर घुसकर हताहतों को बाहर निकाल लाते हैं लेकिन दुर्भाग्य है कि अभी तक किसी सरकारी या गैर-सरकारी संगठन ने अग्निकांड से बचाव का ऐसा इंतजाम नहीं खोजा है कि जिससे सैकड़ों लोगों की जान तुरंत बचाई जा सके। मध्यप्रदेश में सतना के एक युवा अजयपाल सिंह ने आज ही मुझे एक ऐसी यांत्रिक तरकीब से परिचित करवाया, जिससे सैकड़ों लोग की जान मिनिटों में बच सकती है, चाहे वे 50 मंजिले भवन की आग में ही क्यों न फंसे हो। यदि हमारे व्यापार और उपभोक्ता मंत्री पीयूष गोयल कुछ पहल करें तो इस विभीषिका से वे भारत को ही नहीं, संसार के सभी देशों को बचा सकते हैं। इस यांत्रिक तरकीब से, जो मंहगी भी नहीं है, भारत चाहे करोड़ों-अरबों डॉलर भी कमा सकता है। (लेखक/ईएमएस-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

दैनिक पंचांग

15 मई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.23 बजे से
चंद्र	तुला में	मिथुन	07.21 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	09.34 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.50 बजे से
गुरु	मीन में	कन्या	14.02 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.13 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	18.28 ब.से
राहु	मेष में	धनु	20.44 बजे से
केतु	तुला में	मकर	22.49 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		कुंभ	00.35 बजे से
		मीन	02.08 बजे से
		मेष	03.39 बजे से

रविवार 2022 वर्ष का 135 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 12.46 बजे से समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 15.35 बजे को समाप्त।
योग व्यतीपात 09.48 बजे को समाप्त।
करण वणिज 12.46 बजे तदनन्तर विष्टि 23.18 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 49'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871249
जूलियन दिन 2459714.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सव्वाल **तारीख** 13
विशेष व्रत की पूर्णिमा, अन्वाधान, वृषभ संक्रांति, कूर्म जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36	से	07.09 बजे तक
चर	07.23	से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09	से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18 बजे तक	चर	08.41	से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46 बजे तक	रोग	10.14	से	11.46 बजे तक
काल	11.46	से	01.14 बजे तक	काल	11.46	से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19	से	02.51 बजे तक
रोग	02.41	से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51	से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24	से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7286

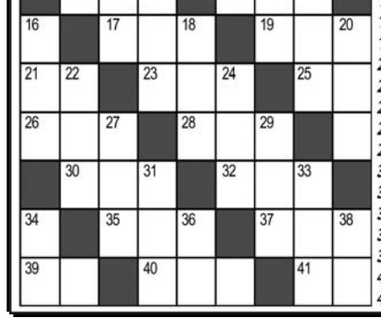

बाएँ से दाएँ

1.इच्छा,मन्नत-2
3.आश्रय,शरण-3
6.ठाठ-बाट-2
8.प्रकार-3
10.आवरण-3
12.तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
14.ख्वाब,स्वप्न-3
17.घर,आवास-3
19.लोच-3
21.भस्म,खाक-2
23.निगाह,दृष्टि-3
25.संबोधन-2
26.देवर्षि-3
28.तिजोरी-3
30.तरंग,हिलोर-3
32.गुंडा,बदमाश-3
35.अनुकृति-3
37.नाप करना-3
39.थोड़ा-2
40.उल्टी,कै-3
41.मां के पिता-2

ऊपर से नीचे

1.सप्तम,सातवां-2
2.पृथ्वी,वसुंधरा-3
4.घ्राणेंद्रिय-2
5.वासना,लालसा-3
7.खुमार,सरूर-2
9.रनिवास (उर्दू-3)
11.चतुर,तेज-3
13.थकावट-3
15.नृत्य करना-3
16.कुल,खानदान,वंश-3
18.पुराना जुकाम-3
20.कटि,शरीर का मध्यांग-3
22.ईमामदस्ता-3
24.नकद राशि,रोकड़-3
27.जलने की क्रिया-3
29.रवानगी,विदा होना-3
31.राशि,धन-3
33.आलेप करना, पोतना-3
34.रहस्य-2
36.बुरी आदत-2
38.अनेक प्रकार-2

शब्द पहेली -7285 का हल

श	ब		ता		य		लों	क
रा		ला	ल		श	ह		हा
ब	से	रा		मा		क	स	र
	ना		आ	स	रा		र	
अ	ना	मि	का		श	रा	फ	त
	य		र	ह	न		रो	
म	क	र		र		प्रे	श	र
लि		ज	मा		आ	स		स
न	र		न		म		आ	ना

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

हाशिए पर चले गए हैं रोजगार और शिक्षा के मुद्दे

75 साल की आजादी और हिजाब प्रकरण: सार

आजादी के 75 साल बाद भी मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा और रोजगार में भागीदारी आज भी हाशिए पर ही है, हालांकि हमारे समाज में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जिनमें महिलाओं ने घूंघट और बुर्के की हदें लांघी हैं और अपनी परम्पराओं में रचबस कर कई कीर्तिमान भी हासिल किए हैं।

विस्तार

वर्तमान समय में देश के युवाओं को सबसे अहम जरूरत शिक्षा और रोजगार की है। जिसपर विचार-विमर्श होना चाहिए। नए-नए रास्ते खोजने की जरूरत है लेकिन पिछले कुछ दिनों से शिक्षण संस्थानों और छात्रों के मध्य छिड़ा हिजाब का विवाद चिंता का विषय है। भारत के शिक्षण संस्थान दुनिया के सुनहरे भविष्य की पौधशाला हैं जिनमें पढ़े बच्चे आज दुनिया में अपना परचम लहरा रहे हैं।

यह बात किसी से छिपी नहीं है, ऐसे में हिजाब पर छिड़ी बहस हम सभी के लिए किसी समस्या से कम नहीं है जिसका पुख़्ता हल समाज, सरकार और न्यायालयों को मिलकर खोजने होंगे। ताकि देश की युवा शक्ति की ऊर्जा को सही दिशा में लगाया जा सके। हमारी एक छोटी सी गलती से एक पूरी पीढ़ी खतरे में पड़ सकती है।

और भी मुद्दे हैं जिन्हें समझना होगा-

आजादी के 75वें साल में दुनिया के शिक्षाविदों और समाजचिन्तकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती इस बात की भी रहने वाली है कि कहीं लड़कियों का एक बड़ा हिस्सा जो शिक्षा के अधिकार लिए अभी भी जद्दोजहद से जूझ रहा है, अपने सपनों की उड़ान भरने से पहले ही अपने कदम वापस न ले ले।

मुझे याद है बचपन में हमारे पड़ोस में एक दादी रहती थीं, जो अकसर लड़कियों को कहा करती थी कि- 'लड़कियों मुंड (सर) झुकाकर पढ़ लो और नौकरी करके ही शादी- ब्याह कराना।'

ये उनका तकिया कलाम बन चुका था हम जब उनसे पूछते की आपने पढ़ाई क्यों न की तो वो हमें अपनी कहानी सुनाती कि जब मैं छोटी थी तो पढ़ने का बड़ा शौक था। स्कूल भी जाती थी। जब हम कक्षा तीन में थे तब एक लड़की जो किसी और क्लास की थी मुंबई चली गई हीरोइन बनने, उस लड़की का तो पता नहीं हीरोइन बनी या न बनी। लेकिन हमें और हमारी जैसी कई लड़कियों के घर वालों ने स्कूल जाना बंद करा दिया। घर पर रहकर ही हमनें थोड़ा बहुत लिखना-पढ़ना सीखा।

मुझे याद है वो दादी कभी किसी कागजात पर अंगूठा नहीं लगाती थीं। हमेशा सिग्नेचर करती। उन्हें अखबार पढ़ने का शौक ऐसा था कि खुद भी अखबार पढ़ने में जूझती और जो न समझ आता वो इधर-उधर से बच्चों से पढ़वाया करती। उनकी शिक्षा अधूरी रह गई तो वो हर लड़की को पढ़ने के लिए प्रेरित करतीं।

आज के इस हिजाब और गमछे से उठते विवाद ने मुझे वो दादी अनायास याद दिला दी जो कहीं इस भीड़ के इतर खड़ी कई लड़कियों में न हों। शिक्षा पर सबका अधिकार है। हम विश्व गुरु तब ही बन पाएंगे जब हमारी आधी आबादी सुरक्षित और शिक्षित होगी।

भारत की सांझी विरासत में पर्दे का विशेष महत्व रहा है-

हमने गांव में दादी-नानियों से अक्सर सुना है कि उन्होंने चौराहे पर रखे पत्थरों को घूंघट ओढ़ा है क्योंकि कभी उनके पूर्वज उन पत्थरों पर बैठा करते थे। बरसों बरस वो पत्थर ही उनके पूर्वज की याद बन जिंदा रहे। पर्दा हमारी संस्कृति का अहम हिस्सा रहा है कहीं वो घूंघट के तौर पर किया जाता था कहीं हिजाब के तौर पर।

नि:संदेह इसके पसंद न पसंद का अधिकार केवल उस महिला को होना चाहिए जिसनें उस संस्कृति की परंपराओं को चुना है। पुरुषों की प्रधानता को यह अधिकार नहीं होना चाहिए की वे उन पर जबरदस्ती पर्दा थोपे और न ही अपनी इच्छा से पर्दा करने वाली किसी महिला को बेपर्दा करें।

नि:संदेह स्कूल, कॉलेज प्रशासन को अधिकार है कि वो अपने स्कूल, कॉलेज के लिए बेहतर नियम बना सकते हैं और बनाएं भी अपितु सारे नियमों से ऊपर भारत का संविधान है जो प्रत्येक भारतीय नागरिक को चाहे वो महिला हो या पुरुष समानता और स्वतंत्रता का बराबर अधिकार देता है।

इसी अधिकार के तहत हर भारतीय को धार्मिक स्वतंत्रता का भी अधिकार दिया गया है। भारत की ज्यादातर महिलाएं बुर्का नहीं पहनती और न ही हिजाब पहनती हैं। और वहीं भारत की ज्यादातर महिलाएं चाहें वो किसी भी धर्म की हों गर्मियों में अक्सर धूप से सुरक्षा के लिए एक कपड़ा जो हिजाब की तरह ही होता है अपने फेस को कवर करती हैं, यहां तक की कोरोना काल में खुद हमारे प्रधानमंत्री जी ने लोगों को गमछा लपेटने की सलाह दी थी यदि उनके पास मास्क नहीं हो तो।

इस लिहाज से सार्वजनिक क्षेत्र पर संभवत: हिजाब से किसी को कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। यह महिलाओं का अपना व्यक्तिगत चुनाव होना चाहिए न की उनपर किसी भी बंदिश का थोपा जाना। जहां तक स्कूल में लड़कियों के हिजाब पहनने न पहनने के मुद्दे का सवाल है तो स्कूल प्रशासन और सरकार को मिलकर कोई ऐसा बीच का रास्ता निकालना होगा जिससे बच्चियों के भविष्य से खिलवाड़ न हो सके।

संविधान ने दिए हैं हमें कई अधिकार-

हम आजाद भारत के निवासी हैं। हमारा संविधान एक खूबसूरत दस्तावेज़ है। उसमें वर्णित मौलिक अधिकार आर्टिकल 15 (1) के मुताबिक राज्य किसी भी नागरिक के साथ जाति, धर्म, लिंग, जन्म स्थान और वंश के आधार पर भेदभाव नहीं कर सकता।

साथ ही अनुच्छेद 15 के दूसरे क्लॉज के मुताबिक, किसी भी भारतीय नागरिक को धर्म, लिंग, जाति,जन्म स्थान और वंश के आधार पर दुकानों, होटलों, सार्वजानिक भोजनालयों, सार्वजानिक मनोरंजन स्थलों, कुओं, स्नान घाटों, तालाबों, सड़कों, और पब्लिक रिजॉर्ट्स में घुसने से नहीं रोका जा सकता। हर भारतीय नागरिक की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अनुच्छेद 19 (1) के तहत संरक्षित है। हम सब जानते हैं कि हमारा संविधान हमें आर्टिकल 25-28 धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। जो निश्चित रूप से किसी भी भारतीय के साथ होने वाले न्याय का सूचक है।

आज कला, विज्ञान, खेल, शिक्षा, राजनीति हर क्षेत्र में महिलाओं ने यह साबित किया है कि वो पुरुषवादी समाज में कमतर नहीं हैं लेकिन इतना सब कुछ करने के बाद भी आधी आबादी का प्रतिनिधित्व बहुत ही कम है। चाहे वो संसद में हों या सड़क में, किसी चाय की दुकान में हों या किसी आलीशान दफ्तर में। वे अब भी पिछड़ी हुई हैं और उनमें हर समाज की महिला है क्योंकि वो सबसे पहले एक महिला है जिसे अपने हिस्से का समाज खुद ही तैयार करना होता है। फिर चाहे वह घूंघट के पार की दुनिया हो या हिजाब से किताबों तक का सफ़र तय करना हो।

आजादी के 75 साल बाद भी मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा और रोजगार में भागीदारी आज भी हाशिए पर ही है हालांकि हमारे समाज में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जिनमें महिलाओं ने घूंघट और बुर्के की हदें लांघी हैं और अपनी परम्पराओं में रचबस कर कई कीर्तिमान भी हासिल किए हैं।

आज अनेकों उदाहरण हमारे बीच मौजूद हैं जैसे देश की पहली मुस्लिम शिक्षिका फ़ातिमा शेख जी, जिन्होंने देश की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फूले के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हाशिए पर खड़ी लड़कियों में शिक्षा की अलख जगाई वो भी उस दौर में जब महिलाओं का जीवन और भी ज्यादा जटिल था। अभी हाल ही में उनकी 191 वीं जयंती के अवसर पर गूगल ने भी डूडल बनाकर उन्हें सलाम किया था। यह हर भारतीय के लिए गौरव की बात है।

सर्वोच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति फ़ातिमा बीबी, भारत की बेटी सानिया मिर्जा जिसनें अपने कपड़ों का चुनाव समाज से डर के नहीं डट के किया। आज खेल जगत पर कितने उभरते सितारे हैं जो अक्सर समाज की अवहेलना का शिकार हो जाती हैं लेकिन फिर भी वे अपने हिजाब या पूरे ढके कपड़ों की वजह से अपनी कामयाबी की रफ़्तार को कम नहीं होने दे रहीं। धर्म और हिजाब के नाम पर लड़कियों को शिक्षा से दूर करना किसी भी दृष्टि से सही नहीं है।

हमें वो हर अवसर खोजने चाहिए जिससे महिलाओं में शिक्षा और रोजगार का प्रतिशत बढ़े और उनकी कामयाबी की उड़ान जारी रहे। सरकारी नौकरी के साथ-साथ व्यवसाय में भी उनका आधे का प्रतिनिधित्व हो। आज हिजाब और गमछा प्रकरण 75 साल की आजादी को बेपर्दा करता नज़र आ रहा है।

काश की कभी भीड़ का एक हुजूम किसी निर्भया की रक्षा के लिए सामने आए, न की उसे स्कूल, कॉलेज से दूर करने के लिए। काश की भीड़ का सैलाब आधी आबादी को संसद से सड़क तक आधी हिस्सेदारी सौपने आगे आए। न की उन पर अपनी मर्जी थोप कर उनकी आजादी छीनने। काश की समाज का जिम्मेदार तबका हर लड़की को अपने हिस्से का आसमां दिलाने के लिए आगे आए। आखिर हर समाज की महिलाओं की समस्याएं वही हैं बस उनके रूप अलग-अलग हैं। (ले?खिका - डॉ. नाज़ परवीन/ईएमएस)

बेटियों को आत्मनिर्भर बनाती शिवराज सरकार

मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां बालिकाओं के शैक्षणिक विकास तथा महिलाओं के सम्मान के लिये अनेक योजनाएं तथा कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इस दिशा में वर्ष 2007 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली लक्ष्मी योजना की अभिनव पहल की थी। उनके अथक प्रयासों से इस योजना को क्रियान्वित किया गया। लम्बे अंतराल के बाद इसके सुखद तथा आश्चर्यजनक परिणाम सामने आये हैं। सबसे अहम यह है कि लिंगानुपात में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान चाहते हैं कि बेटियां खूब पढ़ें और आगे बढ़ें। उनके शब्दों में बेटियों के बारे में समाज में पायी जाने वाली नकारात्मक सोच, लड़कों के मुकाबले उनकी कम होती संख्या मुझे हमेशा से कचोटती और झकझोरती रही है। बेटियों के लिये कुछ सकारात्मक करने की तड़प मेरे मन में सदा से रही है। सौभाग्य से प्रदेश की बेटियों के लिए कुछ करने का अवसर मुझे मुख्यमंत्री बनने के बाद मिला। मैंने बिना देरी किए बालिकाओं के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित बनाने वाली योजनाएं बनाने का निश्चय किया। मेरे इस निश्चय के परिणामस्वरूप बनी योजनाओं में से एक है लाडली लक्ष्मी योजना। इस योजना से हम समाज का नजरिया बदलने में सफल रहे हैं। मेरा संकल्प है कि प्रदेश की बेटियां सशक्त होकर आगे बढ़ें। आज प्रदेश में बयालिस लाख से अधिक लाडली लक्ष्मी बेटियां हैं। मैं चाहता हूं कि मेरी बेटियां प्रशासनिक अधिकारी, डाक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, प्राध्यापक बने और हमारे प्रदेश का नाम रोशन करें। लाडली लक्ष्मी योजना को लागू किए डेढ़ दशक से अधिक का समय बीत चुका है। इस योजना का लाभ लेकर हजारों बेसहारा निर्धन कन्याएं स्वावलम्बी बन गयीं। अनेकों शादी कर अपना घर बसा चुकी हैं। लाडली लक्ष्मी योजना को मध्यप्रदेश में सफलता मिलते देख देश के कई राज्य इसका अनुसरण कर रहे हैं। दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, गोवा राज्यों ने लाड़ली लक्ष्मी योजना को लागू किया है।

मध्यप्रदेश में लाडली लक्ष्मी योजना का लाभ अधिक से अधिक बालिकाओं को मिले इसे ध्येय बनाकर सरकार ने अनेक योजनायें बनाई हैं। प्रदेश में अब हर वर्ष 2 से 12 मई तक लाड़ली लक्ष्मी उत्सव मनाया जाएगा। साथ ही यह भी निर्धारित किया गया कि ऐसी ग्राम पंचायत जहां लाडलियों का सम्मान हो, बाल विवाह न हो, स्कूलों में शत प्रतिशत प्रवेश हो तथा कोई लाड़ली कुपोषित न हो, उस ग्राम पंचायत को मध्यप्रदेश सरकार लाड़ली लक्ष्मी पंचायत का पुरस्कार प्रदान करेगी। विगत 8 मई को भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में लाडली लक्ष्मी योजना पर केंद्रित एक गरिमामय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली लक्ष्मी योजना-2 का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा की, अब आईआईटी, आईआईएम सहित अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई के लिये लाड़ली लक्ष्मी की पूरी फीस सरकार भरेगी। कालेज में प्रवेश करने पर साढ़े बारह हजार रुपए अलग से दिए जाएंगे। मध्यप्रदेश में 52 जिलों के 313 विकासखंडों के 52,117 गांवों में योजना के तहत अब तक 42 लाख से अधिक बालिकाओं का पंजीयन किया जा चुका है। लाडली लक्ष्मी योजना निधि में 10,654 करोड़ रुपयों की राशि जमा की गई हैं। जरूरतमंद बालिकाओं के लिए मध्यप्रदेश सरकार द्वारा लाडली लक्ष्मी ई-संवाद ऐप का लोकार्पण भी किया गया है। इस ऐप के माध्यम से बालिकाएं सीधे मुख्यमंत्री से बात कर सकती हैं। यह अभिनव प्रयोग मध्यप्रदेश में ही संभव हुआ है।

लाडली लक्ष्मी योजना की सफलता का प्रमाण स्पष्ट है कि वर्तमान में मध्यप्रदेश में एक हजार बेटों पर 956 बेटियां जन्म ले रही हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ये आंकड़ा बराबरी पर लाने के लिए प्रयासरत हैं। आज जबकि बदलते सामाजिक परिवेश के साथ बेटियों के प्रति लोगों का दृष्टिकोण भी बदल रहा है। यही वजह है कि अनेक क्षेत्र ऐसे हैं जहां बालिकाओं ने अपना वर्चस्व स्थापित किया है। हाल ही में आए कुछ प्रतियोगी परिक्षाओं के परिणाम और अनेक खेल आयोजनों में बेटियों ने अपना परचम लहराया है। ऐसे में यदि उन्हें कुछ सरकारी योजनाओं का लाभ मिले तो वे अपने पैरों पर खड़ी होकर दिखला सकती हैं। इस दिशा में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री प्रयासरत भी हैं और प्रोत्साहन भी दे रहे हैं। हम इस बात को दावे के साथ कह सकते हैं कि बतौर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने डेढ़ दशक लंबे कार्यकाल के दौरान बेटियों की दुनिया में मुस्कान बिखेरी है। बेटियों के विकास के लिए प्रतिबद्ध शिवराज सरकार प्रदेश में ऐसा माहौल तैयार कर रही है जहां बेटियां आसमां से कहेंगी थोड़ा और ऊंचा उठ जाओ। (लेखक - निलय श्रीवास्तव/ईएमएस)

अगले माह दक्षिण अफ्रीका से सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर टी20 सीरीज खेलेगी। 5 मैचों की इस घरेलू टी20 सीरीज का आयोजन आईपीएल के 15 सत्र के समाप्त होने के बाद होगा। इसके मुकाबले कटक, विशाखापत्तनम, दिल्ली, राजकोट और चेन्नई में खेले जाएंगे। बीसीसीआई के अनुसार इस सीरीज का पहला टी20 मैच 9 जून को जबकि 5वां और अंतिम मुकाबला 19 जून को खेला जाएगा। इस साल के अंत में होने वाले ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए ही यह सीरीज दोनों टीमों के लिए अहम बतायी जा रही है। भारतीय क्रिकेट टीम के हौसले इस समय बुलंद हैं।

टीम इंडिया इस समय आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर कायम है। भारतीय टीम ने लगातार 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतकर अफगानिस्तान के सबसे ज्यादा मैच जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। टीम इंडिया के पास दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपने नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज करने का अवसर होगा। भारतीय टीम के लिए यह साल बेहद व्यस्त रहने वाला है.

भारतीय टीम को जून में आयरलैंड का भी दौरा करना है। क्रिकेट आयरलैंड के जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों टीमों के बीच जून के अंतिम सप्ताह में 2 टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। सीरीज का पहला टी20 मैच 26 जून को जबकि दूसरा 28 जून को खेला जाएगा। भारतीय टीम इससे पहले अंतिम बार साल 2018 में आयरलैंड गयी थी।

खेल - समाचार

जोकोविच ने सेमीफाइनल में मारी एंट्री, कैस्पर से होगी भिड़ंत

रोम (ईएमएस)। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने दमदार प्रदर्शन करते हुए इटली ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। जोकोविच ने कड़े मुकाबले में फेलिक्स आगर को सीधे सेटों में हरा दिया। अब जोकोविच का सामना सेमीफाइनल में कैस्पर रूड से होगा। जोकोविच को क्वार्टर फाइनल जीतने में थोड़ी मशक्कत करनी पड़ी। उन्होंने फेलिक्स को 7-5, 7-6 से मात दी। जोकोविच ने इस जीत के साथ सुनिश्चित किया कि सोमवार को जब नवीनतम एटीपी रैंकिंग जारी होगी, तब दूसरे नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव उन्हें पछाड़ नहीं पाएंगे और वह टॉप पर बरकरार रहूंगा।

वहीं, रूड ने क्वार्टर फाइनल में डेनिस शापोवालोव को सीधे सेटों में हराया। नॉर्वे के 23 वर्षीय खिलाड़ी ने शापोवालोव पर जीत दर्ज की। जोकोविच की नजरें अपने करियर के 38वें एटीपी 1000 मास्टर्स खिताब पर लगी हैं। वह इससे पहले 5 बार इटली ओपन खिताब जीत चुके हैं। कैस्पर रूड के खिलाफ जोकोविच का रिकॉर्ड भी 2-0 का है। उन्होंने 2020 रौलां गैरों सेमीफाइनल में सीधे सेटों में रूड को हराया था। जोकोविच ने कहा, 'यह शीर्ष स्तर का टेनिस था। मुझे अपना स्तर बेहतर करना पड़ा और लगातार अच्छा टेनिस खेलना पड़ा।

फेलिक्स को हराकर जोकोविच सेमीफाइनल में

रोम (ईएमएस)। दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कड़े मुकाबले में फेलिक्स आगर एलियासिम को सीधे सेट में हराकर इटली ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। वर्ष 2021 में कैलेंडर ग्रैंडस्लैम पूरा करने से सिर्फ एक मैच दूर पहुंचे जोकोविच ने फेलिक्स को हराया। जोकोविच ने जीत के साथ सुनिश्चित किया कि सोमवार को जब नवीनतम एटीपी रैंकिंग जारी होगी, तब दूसरे नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव उन्हें पछाड़ नहीं पाएंगे। जोकोविच ने मैच के बाद कहा,''यह शीर्ष स्तर का टेनिस था। मुझे अपना स्तर बेहतर करना पड़ा और लगातार अच्छा टेनिस खेलना पड़ा।''

चयनकर्ताओं से मिलेंगे रोहित शर्मा, दक्षिण अफ्रीका श्रंखला के लिए घोषित हो सकती है टीम

मुंबई (ईएमएस)। आईपीएल-2022 के रोमांच से सराबोर क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर आ रही है। प्लेऑफ की एक टीम पक्की हो गई है तो 7 टीमों के बीच 3 स्थान के लिए जंग जारी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए जल्द ही टीम इंडिया की घोषणा हो सकती है। दक्षिण अफ्रीका की टीम 5 मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगी। सीरीज की शुरुआत 9 जून से दिल्ली के

आज चेन्नई को हराकर शीर्ष दो में जगह पक्की करने का प्रयास करेगी गुजरात टाइटंस

मुंबई (ईएमएस)। प्लेऑफ में जगह पक्की कर चुकी गुजरात टाइटंस की टीम रविवार को आईपीएल में खिताब की दौड़ से बाहर हो चुकी चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ जीत दर्ज करके शीर्ष दो में जगह पक्की करने का प्रयास करेगी। हार्दिक पांडया की कप्तानी में गुजरात ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर दो मैच शेष रहते ही प्लेऑफ में जगह सुनिश्चित कर ली। टाइटंस की टीम 12 मैच में 18 अंक के साथ शीर्ष पर हैं, और रविवार को जीत से टीम की शीर्ष दो में जगह लगभग सुनिश्चित होगी, इसका मतलब होगा कि टीम को फाइनल में जगह बनाने का अतिरिक्त मौका मिलेगा। अंक तालिका में नौवें स्थान पर चल रही गत चैंपियन सुपरकिंग्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और बाकी बचे दो मैच में प्रतिष्ठ बचाने के इरादे से खेलेगी।

लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ पिछले मैच में 62 रन की जीत के साथ टाइटंस ने प्लेआफ में जगह पक्की की, जबकि सुपरकिंग्स को अपने पिछले मैच में मुंबई इंडियन्स के खिलाफ पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल, कप्तान हार्दिक, डेविड मिलर, रिद्धिमान साहा और राहुल तेवतिया ने सत्र के दौरान टाइटंस की ओर से अच्छी बल्लेबाजी की है और सुपरकिंग्स के खिलाफ भी वे इस लय को जारी रखना चाहेगी। अपने पहले ही सत्र में टाइटंस के शानदार प्रदर्शन का श्रेय उसकी मुश्किल हालात में वापसी करने की क्षमता हो जाता है। पिछले कुछ मुकाबलों में हालांकि टाइटंस के बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके हैं और हार्दिक को अपने बल्लेबाजों से प्रदर्शन में निरंतरता की उम्मीद होगी। पिछले मैच में गिल (नाबाद 63) ही क्रीज पर डटकर बल्लेबाजी कर पाए और पूरी पारी के दौरान नाबाद रहे जिससे टाइटंस ने चार विकेट पर 144 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया और फिर आसानी से इसका बचाव किया।

टाइटंस के टीम प्रबंधन को साथ ही उम्मीद होगी कि हार्दिक, मिलर और तेवतिया का बल्ला फिर रन उगलेगा। टाइटंस का मजबूत पक्ष हालांकि उसका गेंदबाजी आक्रमण हैं, इसमें मोहम्मद शमी, लॉकी फर्ग्युसन और राशिद खान जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज शामिल हैं। शमी 16 विकेट के साथ टीम के सबसे सफल गेंदबाज हैं, जबकि फर्ग्युसन अपनी तूफानी गेंदबाजी के किसी भी बल्लेबाजी क्रम को परेशानी में डालने में सक्षम हैं। राशिद भी धीमी शुरुआत के बाद लय हासिल कर चुके हैं और पिछले मैच में उन्होंने चार विकेट चटकाए थे। यश दयाल ने भी विकेट हासिल किए हैं, लेकिन उनकी इकोनॉमी रेट चिंता का कारण हैं, जबकि आर साई किशोर ने अपने पहले ही मैच में राशिद का अच्छा साथ निभाते हुए दो विकेट चटकाए। वहीं सुपरकिंग्स के लिए मौजूदा सत्र बुरे सपने की तरह रहा है और शुरुआत से ही कुछ भी चीज उसके पक्ष में नहीं हो रही है।

महेंद्र सिंह धोनी की जगह रविंद्र जडेजा को कप्तान बनाने का फैसला गलत साबित हुआ और यह आलराउंडर कप्तान की भूमिका में कभी सहज नजर नहीं आया, इसकारण इस दिग्गज विकेटकीपर को दोबारा टीम की कमान संभालनी पड़ी। इतना ही काफी नहीं था, तब सुपरकिंग्स और जडेजा के बीच अनबन की अटकलें भी सामने आई। जडेजा पसली में चोट के कारण पिछले मैच से पहले ही घर लौट गए। डेवोन कॉनवे ने सीमित मौके मिलने के बावजूद सुपरकिंग्स के लिए बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया है जबकि शिवम दुबे और रुतुराज गायकवाड़ भी अच्छी पारी खेलना चाहेंगे। दीपक चाहर और एडम मिल्ने की गैरमौजूदगी में सुपरकिंग्स के गेंदबाज भी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए। मुकेश चौधरी और सिमरनजीत सिंह ने प्रभावित किया लेकिन नई गेंद के स्तरीय गेंदबाजों की कमी के अलावा स्पिन विभाग में मोईन अली और महेश तीक्षणा भी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए।

अंबाती रायडू ने फैंस को चौंकाया, आईपीएल सीजन में किया संन्यास का ऐलान!

मुंबई (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स के प्रमुख बल्लेबाज अंबाती रायडू का यह आखिरी आईपीएल सीजन होगा। उन्होंने अपने संन्यास की घोषणा की। 2010 में मुंबई इंडियंस के लिए डेब्यू करने वाले रायडू 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े थे। वे तीन बार मुंबई और दो बार चेन्नई के साथ आईपीएल चैंपियन रहे। 2019 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने के बाद अपने '3डी ट्वीट' की वजह से रायडू काफी चर्चा में आए थे।

आईपीएल से संन्यास की घोषणा कर रायडू ने ट्विटर पर लिखा, 'मुझे यह घोषणा कर खुशी हो रही है, कि यह मेरा आखिरी आईपीएल होगा। 13 साल में मैंने आईपीएल खेलते हुए दो महान टीमों के साथ बेहतरीन समय बिताया है। अद्भुत यात्रा के लिए मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स को ईमानदारी से धन्यवाद देना पसंद करूंगा। वहीं अंबाती रायुडू के ऐसा करने के बाद सीएसके टीम के सीईओ कासी विश्वनाथ की प्रतिक्रिया सामने आई। कासी विश्वनाथ ने कहा कि रायुडू रिटायरमेंट नहीं ले रहे हैं। हो सकता है, वहां अपने प्रदर्शन से खुश नहीं थे और इसी की वजह से ऐसा किया है। ये सिर्फ एक मनोवैज्ञानिक बात है और मुझे ऐसा ही लगता है साथ ही वहां हमारे साथ बने रहने वाले हैं।

हालांकि उनके संन्यास पर स्थिति अभी साफ नहीं है, क्योंकि बल्लेबाज ने कुछ देर बाद अपना ट्वीट डिलीट कर दिया। इसकारण फैंस कंफ्यूज हो गए हैं कि रायडू ने सही में संन्यास लिया है या कुछ और ही बात है। यह पहली बार नहीं है, जब अंबाती रायडू ने फैंस को चौंकाया है। उन्होंने 2019 वर्ल्ड कप के बीच में ही इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्याल का ऐलान कर दिया था। वे टूर्नामेंट से पहले तक टीम के प्रमुख बल्लेबाज थे। लेकिन टीम में जगह नहीं मिलने के बाद उन्होंने पहले सोशल मीडिया पर नाराजगी जाहिर की और फिर संन्यास का ऐलान कर दिया। हालांकि कुछ महीने बाद ही उन्होंने यू-टर्न लेकर वापसी की घोषणा की थी।

अभी तक अंबाती रायडू ने 187 आईपीएल मैच खेले हैं। इसमें इस बल्लेबाज ने 29 की औसत और 127 की स्ट्राइक रेट से 4187 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और 22 अर्धशतक शामिल हैं। आईपीएल 2018 में चेन्नई के लिए उन्होंने 602 रन बनाए थे। यह उनका सबसे बेहतरीन सीजन था।

लखनऊ सुपर जायंट्स आज राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ प्लेऑफ में जगह पक्की करने के इरादे से उतरेगी

मुंबई (ईएमएस)। आईपीएल के मौजूदा सीजन में शानदार फॉर्म में चल रही लखनऊ सुपर जायंट्स टीम रविवार को प्लेऑफ में जगह पक्की करने के इरादे से उतरेगी। उसकी कोशिश पिछले मैच में मिली हार से उबरकर राजस्थान रॉयल्स को हराने की होगी जिससे लखनऊ सुपर जायंटस को प्लेऑफ का टिकट मिल जाए। लगातार 4 जीत के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर चल रही सुपर जायंट्स की टीम ने पिछले मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार के साथ अपना नंबर एक स्थान इस टीम को गंवा दिया था।

सुपर जायंट्स की टीम 16 अंक के साथ दूसरे स्थान पर चल रही है और प्लेऑफ की शुरुआत से पहले एक और मैच गंवाना नहीं चाहेंगी। वहीं रॉयल्स की टीम भी पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आठ विकेट से मिली करारी हार के बाद वापसी करके प्लेऑफ में जगह बनाने का अपना दावा मजबूत करेगी। इन दोनों टीमों के बीच हुए पिछले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने तीन विकेट से जीत दर्ज की थी।

सुपर जायंट्स की टीम अगर आज जीत दर्ज करती है, तब उसकी प्लेऑफ में जगह सुनिश्चित होगी। रॉयल्स की टीम भी अगर जीत दर्ज करती है, तब अंतिम चार में जगह बनाने की तरफ एक और कदम बढ़ा लेगी। लखनऊ की टीम के लिए कप्तान राहुल और क्विंटन डिकॉक को एक बार फिर अधिकांश रन जुटाना होगा। टाइटंस के खिलाफ ये दोनों सस्ते में पवेलियन लौट गए थे और रॉयल्स के खिलाफ उम्दा पारी खेलना होगा।

राहुल 12 मैच में 459 रन के साथ टूर्नामेंट के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं और अब तक दो शतक और इतने ही अर्धशतक जड़ चुके हैं। डिकॉक ने अब तक तीन अर्धशतक की मदद से 12 मैच में 355 रन जुटाए हैं। दीपक हुड्डा भी अच्छी फॉर्म में हैं और अब तक तीन अर्धशतक की मदद से 347 रन बना चुके हैं। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज में बड़े शॉट खेलने की क्षमता भी है। रॉयल्स की टीम की नजरें फिर इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर पर टिकी होंगी जो 12 मैच में तीन अर्धशतक और इतने ही अर्धशतक की बदौलत 625 रन बना चुके हैं। टीम के उनके साथी बल्लेबाज हालांकि अच्छी फॉर्म में नहीं हैं।कप्तान संजू सैमसन एक बार फिर क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। लेकिन उनका प्रदर्शन इतना बुरा भी नहीं रहा है। उन्होंने अब तक 12 मैच में दो अर्धशतक की मदद से 327 रन बनाए हैं।

रॉयल्स के लिए अच्छी खबर है, कि देवदत्त पडिक्कल (12 मैच में 295 रन) ने पिछले दो मैच में 31 और 48 रन बनाकर प्रदर्शन में निरंतरता का संकेत दिया है लेकिन टीम को अब भी उनसे बड़ी पारी का इंतजार है। शिमरोन हेटमायर (11 मैच में 291 रन) ने कुछ अच्छी पारियां खेली हैं और 16 गेंद में नाबाद 31 रन बनाकर पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम की छह विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। रविचंद्रन अश्विन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में रॉयल्स के शीर्ष स्कोर थे, इसकारण टीम बल्लेबाज के रूप में उनकी क्षमता का फायदा उठाने का प्रयास करेगी।

रॉयल्स की टीम राहुल और डिकॉक जैसे बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के लिए एक बार फिर लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल पर निर्भर होगी जो 12 मैच में 23 विकेट के साथ संयुक्त रूप से टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज हैं। चहल को अश्विन, ट्रेंट बोल्ट और प्रसिद्ध कृष्णा का अच्छा साथ मिल सकता है। गेंदबाजी हालांकि सुपर जाइंट्स का कमजोर पक्ष है और आवेश खान तथा जेसन होल्डर जैसे गेंदबाजों को बटलर और रॉयल्स के अन्य बल्लेबाजों को काबू में रखने के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इन दोनों ने टाइटंस के खिलाफ विकेट चटकाए थे। जबकि मोहसिन खान ने किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 18 रन देकर एक विकेट हासिल किया था।

स्थानीय कीमतों को काबू करने सरकार ने गेहूं निर्यात पर लगाया प्रतिबंध

- रूस और यूक्रेन की बीच जारी जंग से गेहूं की अंतरराष्ट्रीय कीमत 40 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएसा)। केंद्र सरकार ने स्थानीय कीमतों पर काबू करने के ?लिए तत्काल प्रभाव से गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। गौरतलब है ?कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक है। सरकार ने कहा है कि पहले ही जारी किए जा चुके लेटर ऑफ क्रेडिट के तहत गेहूं निर्यात की अनुमति रहेगी। फरवरी के आ?ख़िर में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से काला सागर क्षेत्र से निर्यात में गिरावट के बाद वैश्विक खरीदार गेहूं की आपूर्ति के लिए भारत की ओर रुख कर रहे थे। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया ?कि देश की समग्र खाद्य सुरक्षा का प्रबंधन करने और पड़ोसी और अन्य कमजोर देशों की जरूरतों का समर्थन करने के लिए केंद्र सरकार ने तत्काल प्रभाव से गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। अन्य देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत सरकार द्वारा दी गई अनुमति के आधार पर और सरकारों के अनुरोध के आधार पर निर्यात की अनुमति दी जाएगी। भारत सरकार पड़ोसी और अन्य कमजोर विकासशील देशों की खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो गेहूं के वैश्विक बाजार में अचानक बदलाव से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हैं और पर्याप्त गेहूं की आपूर्ति तक पहुंचने में असमर्थ हैं।

रूस और यूक्रेन की बीच जारी जंग की वजह से गेहूं की अंतरराष्ट्रीय कीमत में करीब 40 फीसदी तेजी आई है। इसकी वजह से भारत से गेहूं का निर्यात बढ़ गया है। मांग बढ़ने से स्थानीय स्तर पर गेहूं और आटे की कीमतों में भारी तेजी आई है। देशभर में पिछले काफी समय से खाद्य सामग्री के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं, जिस वजह से लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। पिछले साल के मुकाबले आटे की कीमत करीब 13 फीसदी बढ़ गई है।आठ मई, 2021 को गेहूं के आटे का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 29.14 रुपये प्रति किलोग्राम था। केंद्र सरकार ने कहा कि कई गेहूं की वैश्विक कीमतों में अचानक वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप भारत, पड़ोसी और अन्य कमजोर देशों की खाद्य सुरक्षा खतरे में है। इस साल गेहूं की सरकारी खरीद में करीब 55 फीसदी की गिरावट आई है क्योंकि खुले बाजार में गेहूं की कीमत एमएसपी से कहीं ज्यादा मिल रही है। गेहूं की खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,015 रुपए प्रति क्विंटल है।

शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान बने यूएई के नए राष्ट्रपति

दुबई (ईएमएस)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के नए राष्ट्रपति का ऐलान कर दिया गया है। शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान देश के अगल राष्ट्रपति बनाए गए है। शेख मोहम्मद की उम्र 61 साल है, वह इस पर काबिज होने वाले देश के तीसरे राष्ट्रपति हैं। शुक्रवार को यूएई के राष्ट्रपति शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान का निधन हो गया था। यूएई के राष्ट्रपति मामलों के मंत्रालय ने राष्ट्रपति शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान के निधन के पर 40 दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। इसके साथ ही तीन दिनों तक सभी सरकारी और प्राइवेट ऑफिस बंद रहने वाले हैं।

मीडिया ने शनिवार को जानकारी देकर कहा कि यूएई की फेडरल सुप्रीम काउंसिल ने शेख खलीफी की मौत के बाद अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को देश का नया राषट्रपति चुना है। इस संबंध में परिषद की तरफ से शनिवार को शेख मोहम्मद की अध्यक्षता में अबू धाबी के अल मुशरिफ पैलेस में बैठक हुई और इसमें उन्हें अगला राष्ट्रपति चुना गया। बता दें कि शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान के निधन के बाद भारत ने भी एक दिन के राजकीय शोक का ऐलान किया है। इस बारे में केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को संदेश जारी किया गया है। संदेश के अनुसार राजकीय शोक के दौरान सभी सरकारी इमारतों में राष्ट्रीय ध्वज को आधा झुका दिया जाएगा। राष्ट्रपति शेख खलीफा की मौत पर पीएम नरेंद्र मोदी ने भी शोक जताया है। पीएम ने कहा कि उनके नेतृत्व में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के संबंध काफी मजबूत हुए और दोनों ही देशों में नजदीकियां बढ़ीं।

श्रीलंका को 65 हजार टन यूरिया की तत्काल आपूर्ति करेगा भारत

कोलंबो (ईएमएस)। गहरे आर्थिक एवं राजनीतिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका को भारत ने 65,000 टन यूरिया की तत्काल आपूर्ति का भरोसा दिलाया है, जिसका इस्तेमाल धान की खेती में होगा। स्थानीय मीडिया में प्रकाशित खबरों के मुताबिक, नई दिल्ली स्थित श्रीलंकाई उच्चायुक्त मिलिंदा मोरागोडा ने गत गुरुवार को उर्वरक सचिव राजेश कुमार चतुर्वेदी के साथ मुलाकात में उर्वरक का मुद्दा उठाया। इस दौरान चतुर्वेदी ने उन्हें भरोसा दिलाया कि भारत जल्द ही श्रीलंका को 65,000 टन यूरिया की आपूर्ति करेगा। श्रीलंका के उच्चायोग ने संदेश में इस मदद के लिए भारत को धन्यवाद देकर कहा कि फसलों के चालू 'याला' सत्र के लिए यूरिया की आपूर्ति करने का फैसला भारत ने आपूर्ति पर लगाई पाबंदी के बावजूद लिया है। इसके पीछे श्रीलंका को धान की खेती वाले याला सत्र में तत्काल मदद पहुंचाने का उद्देश्य है।

2023 के ऑस्कर पुरस्कार समारोह की तारीख घोषित

वाशिंगटन (ईएमएस)। अकादमी पुरस्कार के 95वें संस्करण का आयोजन 13 मार्च 2023 को लॉस एंजिलिस में होगा। आयोजकों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज (एएमपीएएस) ने बताया कि ऑस्कर पुरस्कारों से जुड़े नामांकन 24 जनवरी 2023 को सार्वजनिक किए जाएंगे। ऑस्कर के इतिहास में यह दूसरी बार है, जब पुरस्कार समारोह मार्च के महीने में आयोजित किया जाएगा। साल 2022 में यह पुरस्कार समारोह 28 मार्च को किया गया था। वार्षिक पुरस्कार समारोह ओवेशन हॉलीवुड के डॉल्बी सभागार में होगा और दुनियाभर के 200 से अधिक क्षेत्रों में एबीसी पर इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा। इसके अलावा, गवर्नर्स पुरस्कार 19 नवंबर 2022 को दिए जाएंगे और वार्षिक ऑस्कर नॉमिनी लंच 13 फरवरी 2023 को आयोजित किया जाएगा।

अच्छा हो कैंसर से मर जाएं राष्ट्रपति पुतिन, रूसी कारोबारी ने उन्हें कहा पागल प्रेसिडेंट!

मॉस्को (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद व्लादिमीर पुतिन के स्वास्थ्य को लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कभी कहा जाता है कि उन्हें कैंसर है तो कभी पार्किंसन रोग का दावा किया जाता है। क्रेमलिन के करीबी रह चुके एक रूसी व्यवसायी ने अपने पश्चिमी सहकर्मी से बातचीत में दावा किया है कि पुतिन 'ब्लड कैंसर' से पीड़ित हैं।

गुप्त पहचान वाले रूसी अरबपति ने मार्च के मध्य में की गई बातचीत में यूक्रेन पर रूसी राष्ट्रपति के हमले की आलोचना की थी। इस बातचीत की सामने आई रिकॉर्डिंग में व्यवसायी ने कहा कि पुतिन ने रूस, यूक्रेन और कई अर्थव्यवस्थाओं को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। समस्या उनके दिमाग में है, एक पागल आदमी दुनिया में उलट-पलट कर सकता है। पुतिन के लिए यह बाद कहने वाले रूसी व्यवसायी देश के 200 सबसे अमीर लोगों में शामिल हैं और वर्तमान में रूस के बाहर रह रहे हैं।

एक पूर्व यूरोपीय सुरक्षा प्रमुख ने बताया कि वह 20 या 30 करीबी लोगों के सर्कल में शामिल था जिनसे पुतिन ने 2014 में क्रीमिया प्रायद्वीप पर कब्जे के दौरान मुलाकात की थी। अपनी रिकॉर्डिंग में रूसी व्यवसायी ने यूक्रेन को 'नाजियों और फासीवादियों' से आजादी दिलाने के झूठे दावे के लिए पुतिन को जमकर कोसा। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि वह कैंसर या आंतरिक तख्तापलट से मर जाएं। पुतिन ने 10 साल के सोवियत-अफगान युद्ध से अधिक लोगों को मारा है।

खबरों के अनुसार रूस की खुफिया सेवा ने स्थानीय प्रमुखों को एक आदेश जारी कर पुतिन के स्वास्थ्य को लेकर अफवाहों से बचने के लिए कहा है। पुतिन के स्वास्थ्य को लेकर फिलहाल किसी रिपोर्ट की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन तस्वीरों और वीडियो में उनके कमजोर और फूले हुए चेहरे को देखकर लगातार उनके गिरते स्वास्थ्य का दावा किया जा रहा है।

पिछले दिनों एक वीडियो में विक्ट्री डे परेड के दौरान पुतिन खांसते नजर आए और उन्होंने पैरों को कंबल से ढक रखा था। अप्रैल में सामने आए एक वीडियो में पुतिन का हाथ तेजी से कांपता नजर आया और उन्होंने कुर्सी को कसकर पकड़ रखा था।

बेतहाशा खाद्य बढ़ती महंगाई का बोझ घटा सकते हैं दूध और दाल के दाम

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार की ओर से जारी अप्रैल के खुदरा महंगाई के आंकड़े डराने वाले हैं, इस बीच दूध और दाल को लेकर अच्छी खबर है। बाजार के मौजूदा हालात को देखकर लगता है कि बेतहाशा बढ़ती महंगाई के बीच इन उत्पादों से उपभोक्ताओं को राहत मिल सकती है। अप्रैल में खाद्य उत्पादों की खुदरा महंगाई दर 8.38 फीसदी रही, जिसमें अनाज के बाद सबसे बड़ी भूमिका दूध की रहती है।

इसी तरह, प्याज-आलू के बाद सबसे ज्यादा दालों की वजह से खाद्य महंगाई बढ़ती है, लेकिन ग्लोबल मार्केट में दूध की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है, जिससे आने वाले समय में भारतीय खुदरा बाजार में भी दूध के दाम सस्ते होने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्किम्ड मिल्क पाउडर (एमएमपी) की कीमतों में बड़ी गिरावट देखी जा रही है।

ग्लोबल डेयरी ट्रेड ऑक्शन में 5 अप्रैल को एसएमपी का रेट 4,599 प्रति टन था, जो मई 2020 के भाव से करीब दोगुना रहा। इस साल 3 मई को इसकी कीमत तेजी से घटकर 4,130 डॉलर प्रति टन पहुंच गई। ग्लोबल मार्केट में इसके वायदा भाव हर पखवाड़े तय होते हैं। घी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट आई और यह 15 मार्च के 7,111 डॉलर प्रति टन से घटकर 3 मई को 6,008 डॉलर प्रति टन पर आ गया है। अमूल के मैनेजिंग डायरेक्टर आरएस सोढ़ी का कहना है कि वनस्पति घटी और पाम तेल के साथ दूध से निकलने वाली क्रीम की कीमतों में भी असामान्य उछाल आ रहा है। यह ज्यादा टिकाऊ नहीं है।

भारतीय बाजार में भी अप्रैल मध्य के बाद से एसएमपी की कीमतें 320 रुपये प्रति किलोग्राम से घटकर 300 रुपए और भैंस के दूध से निकलने वाले सफेद मक्खन की कीमत 375 रुपये से घटकर 365 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया।

उपभोक्ता मामलों के विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस समय देश में सभी तरह की दालों के दाम पिछले साल से कम हैं। चना दाल की कीमत पिछले साल मई में 75 रुपये किलोग्राम थी, जो अब 70 में बिक रही। इसी तरह, पिछले साल 110 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बिकने वाली अरहर दाल अब 100 रुपये में है। उड़द दाल की कीमत भी पिछले साल के 107.5 रुपये प्रति किलो से घटकर 98 रुपए के भाव पर आ गई है। मूंग दाल की कीमत भी पिछले साल के 105 रुपए से गिरकर 95 रुपए प्रति किलोग्राम पर है। प्याज की कीमत भी 5 रुपए घटकर 20 रुपए किलो पर आ गई है।

संयुक्त राष्ट्र की टीम की शिनजियांग की यात्रा से पहले डरा चीन

बीजिंग (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र की टीम की शिनजियांग की बहुप्रतीक्षित यात्रा से पहले चीन को डर सताने लगा है। हिटलर रूपी चीनी सरकार ने एक नया निर्देश जारी किया है,इसमें उइगरों को नजरबंदी शिविरों के नेटवर्क पर चर्चा न करने को कहा गया है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि निर्देश में उत्तर पश्चिमी प्रांत के लोगों को अंतरराष्ट्रीय फोन नंबरों से कॉल स्वीकार न करने को कहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस को संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बाचेलेट की यात्रा से पहले विशेष तैयारी करने के निर्देश मिले हैं। गौरतलब है कि उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में मानवाधिकारों के हनन की खबरों के बीच संयुक्त राष्ट्र की अधिकार प्रमुख मिशेल बाचेलेट इस महीने शिनजियांग प्रांत की यात्रा कर रही हैं।

खगोलविदों ने सूरज से 40 लाख गुना बड़े ब्लैक होल 'सैजिटेरियस' ए की पहली तस्वीर जारी की

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। खगोल वैज्ञानिकों ने सैजिटेरियस ए नाम के ब्लैक होल की तस्वीर जारी की है, जो कि हमारे सूरज के द्रव्यमान से करीब 40 लाख गुना बड़ा है और मात्र कुछ सेंकड के लिए ही दिखता है। तस्वीर को इवेंट होराइजन टेलीस्कोप (ईएचटी) कोलैबरेशन की टीम ने जारी किया है, जिसकी दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने तारीफ की है। सौरमंडल से करीब 26,000 प्रकाश-वर्ष की दूरी पर स्थित यह तस्वीर काफी नजदीक से ली गई है। तस्वीर में आप घने प्रकाश के बीच में ब्लैक रंग का प्वाइंट देख सकते हैं, यही प्वाइंट ब्लैक होल है। हालांकि, ये होल हमारे सौरमंडल से करीब 26,000 प्रकाश-वर्ष की दूरी पर स्थित है इसलिए खतरे की बात नहीं है।

सैजिटेरियस ए' दूसरी ब्लैक होल की तस्वीर है। पहली ब्लैकहोल की तस्वीर साल 2019 में सामने आई थी। पहले ब्लैकहोल की तस्वीर एम-87 की थी। एम-87 हमारे सूर्य के द्रव्यमान के 6।5 बिलियन गुना से एक हजार गुना बड़ा था। दरअसल, अंतरिक्ष के अंदर ब्लैक होल वह जगह होती है, जहां पर भौतिकी का कोई नियम काम ही नहीं करता है और यहां पर अगर कोई चीज एक बार चली गई तो कभी वापस नहीं आती।

महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने सन् 1916 में अपने सापेक्षता के सिद्धांत में ब्लैक होल का वर्णन किया है। इसके अंदर कई सितारे एक साथ समा सकते हैं। माना जाता है कि जब एक तारे का अंत होता है तब ब्लैक होल की उत्पत्ति होती है। यह अपने ऊपर पड़ने वाले सारे प्रकाश को भी ग्रहण कर लेता है और यहां से प्रकाश की भी वापसी नहीं होती है।

16 मई को धरती के बेहद करीब से गुजरेगा विशाल एस्टेरॉइड, नासा ने दी चेतावनी

वॉशिंगटन (ईएमएस)। स्पेस वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि एक बहुत ही बड़ा एस्टेरॉइड यानी छुद्रग्रह धरती की ओर बढ़ रहा है। यह एस्टेरॉइड आकार में काफी बड़ा है और अगर इसकी धरती से टक्कर हो जाए, तो यह भारी तबाही मचा सकता है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा इस एस्टेरॉइड पर लगातार नजर रखे हुए है। नासा का कहना है कि एस्टेरॉइड 3945 यानी ए 200 टीजेड-3 16 मई को धरती के बेहद करीब पहुंच सकता है।

यह एस्टेराइड 16 मई की रात को धरती के काफी करीब आ सकता है। अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के अनुसार यह एस्टेरॉइड 1608 फीट चौड़ा है और यह आकार में न्यूयॉर्क के एम्पायर स्टेट की बिल्डिंग के बराबर है। यह एस्टेरॉइड एफिल टॉवर और स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से भी काफी बड़ा है। लिहाजा अगर यह धरती की सतह से टकराता है तो इससे होने वाली तबाही का अंदाजा लगाया जा सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह एस्टेरॉइड 16 मई को सुबह तकरीबन 2.48 बजे धरती के बेहद करीब होगा।

अगर इस एस्टेरॉइड की दूरी की बात करें तो यह फिलहाल धरती से काफी दूर है। अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के अनुसार यह एस्टेरॉइड धरती से लगभग 25 लाख मील की दूरी से गुजरेगा। यूं तो यह दूरी आपको सुनने में काफी अजीब लग रही होगी, लेकिन वास्तव में अंतरिक्ष के लिहाज से यह दूरी बहुत अधिक नहीं है क्योंकि अंतरिक्ष में एस्टेरॉइड की रफ्तार काफी तेजी होती है। यही वजह है कि नासा इस एस्टेरॉइड को काफी गंभीरता से ले रहा है। यह पहली बार नहीं है जब धरती के करीब कोई एस्टेरॉइड बढ़ रहा है। इससे पहले मई 2020 में भी एक एस्टेरॉइड धरती के बेहद करीब से गुजरा था। यह धरती से तकरीबन 1।7 मिलियन दूरी से गुजरा था। अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के अनुसार यह एस्टेरॉइड हर दो साल के बाद सूर्य की परिक्रमा के दौरान धरती के करीब से गुजरता है। इस हिसाब से यह एस्टेराइड अब सन 2024 में एक बार फिर धरती के करीब से गुजरेगा। उल्लेखनीय है कि एस्टेरॉइड सूरज की परिक्रमा लगाते रहते हैं। वैज्ञानिकों की चेतावनी के अनुसार कुछ विशाल एस्टेरॉइड धरती के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। अगर कोई एस्टेरॉइड धरती से 4।65 मिलियन दूरी पर आता है तो इसे वैज्ञानिक गंभीरता से लेते हैं।

मांग और आपूर्ति में तालमेल बिगड़ने से कॉटन की कीमत 11 साल के उच्च स्तर पर

- वर्ष 2021-22 में कपास की आवक में भी आई गिरावट, खपत भी 29 लाख गांठ से घटकर 19 लाख गांठ प्रति माह हुई

नई दिल्ली (ईएमएस)। मांग और आपूर्ति में तालमेल बिगड़ने कॉटन की कीमतें 11 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। यह सूती धागे के स्पिनरों, कॉटन आधारित टेक्सटाइल और वस्त्र निर्माताओं को नुकसान पहुंचा रहा है। स्पिनिंग मिल कम क्षमता के साथ काम कर रही हैं वहीं कई कपड़ा निर्माताओं ने फैक्ट्रियां बंद कर दी हैं। इस उद्योग के जानकारों का अनुमान है कि भारत में प्रति माह कपास की औसत खपत भी लगभग 29 लाख गांठ से घटकर 19 लाख गांठ प्रति माह हो गई है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि 2021-22 में कपास की आवक भी कम हुई है। तमिलनाडु स्पिनिंग मिल्स एसोसिएशन ने इस मामले में मुंबई के कपड़ा आयुक्त को 3 बार प्रेजेंटेशन दी है। एसोसिएशन के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी कहते हैं ?कि तमिलनाडु में कई कताई मिलें हैं जो पूरे देश में 40 प्रतिशत तक उत्पादन में योगदान करती हैं। यह मिलें सप्ताह में केवल पांच दिन चल रही हैं, कई मिलें 12 घंटे की शिफ्ट अपना रही हैं और अपनी गतिविधियों को 12 घंटे के लिए बंद रख रही हैं। इसका मतलब है कि प्रभावी रूप से केवल 35 से 40 प्रतिशत उत्पादन चल रहा है।

उधर, भारत के नंबर एक कपास उत्पादक राज्य गुजरात में सूत के स्पिनरों को 30-40 रुपए प्रति किलोग्राम की नकद हानि हुई है। गुजरात स्पिनर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रिपल पटेल कहते हैं, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमतों में वृद्धि और कम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग कताई मिलों को चिंतित कर रही है। हम खुश हैं कि किसानों को उनकी उपज के लिए उच्च मूल्य मिल रहा है, हम आशा करते हैं कि इनपुट लागत में मूल्य वृद्धि को आगे की ओर वितरित किया जाएगा। अकेले स्पिनर कीमतों में वृद्धि का बोझ नहीं उठा सकते। सरकार ने अप्रैल में कपास पर 10 प्र

कच्छ की दुधई उप शाखा नहर का और 45 किलोमीटर विस्तार किया जाएगा

- कच्छ की जनता के व्यापक हित में मुख्यमंत्री का एक और जनहितकारी निर्णय

अहमदाबाद (ईएमएस) कच्छ क्षेत्र को नर्मदा परियोजना के जल की आपूर्ति करने वाली कच्छ शाखा नहर से निकलने वाली दुधई उप शाखा नहर का ओपन कैनाल के रूप में और 45 किलोमीटर विस्तार किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में रविवार को गांधीनगर में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने यह किसान हितकारी निर्णय किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के इस निर्णय से इस शाखा नहर का दुधई से कुनारिया तक अर्थात् और 45 किलोमीटर तक विस्तार किए जाने के परिणामस्वरूप अंजार एवं भुज तहसीलों के किसानों और लोगों की मांग का सुखद अंत आएगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस बैठक में सरदार सरोवर नर्मदा निगम के माध्यम से इस अतिरिक्त 45 किलोमीटर लम्बाई में लगभग 176 बड़े स्ट्रक्चर्स का भी निर्माण करने तथा दुधई उप शाखा नहर के अतिरिक्त उसके विस्तार ढाँचे के कार्यों को भी शुरू करने के आदेश दिए। यहाँ यह उल्लेख करना आवश्यक है कि हाल में दुधई उप शाखा नहर के भचाऊ से दुधई तक के 23.025 किलोमीटर लम्बाई के कार्य तथा उसके विस्तार ढाँचे के कार्य पूर्ण हो चुके हैं। अब इस नहर को भुज तहसील के कुनारिया तक बढ़ाए जाने से अंजार तथा भुज तहसीलों के अतिरिक्त 13,175 एकड़ क्षेत्र को सिंचाई के लिए नर्मदा जल मिलेगा और पशुधन के पीने के पानी एवं घास-चारे की समस्या का निवारण होगा। मुख्यमंत्री के समक्ष अंजार तथा भुज तहसीलों के किसानों, अग्रणियों, पदाधिकारियों आदि ने इस संबंध में मांग की थी, जिसकी प्रतिक्रिया स्वरूप मुख्यमंत्री ने यह महत्वपूर्ण निर्णय किया है। इस नहर के पूर्ण होने पर नर्मदा में बाढ़ के समय उपलब्ध होने वाले अतिरिक्त पानी से कच्छ को आवंटित 1 मिलियन एकड़ फ़ीट पानी का रुद्रमाता बांध में संग्रह हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने इस बैठक में अनुमानित 1550 करोड़ रुपए के ख़र्च से शुरू किए जाने वाले इस दुधई शाखा नहर के कार्यों तथा उसके विस्तार ढाँचे की नहरों के निर्माण कार्य के लिए निविदा प्रक्रिया तत्काल शुरू करने के भी निर्देश दिए। उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री के. कैलाशनाथन, सरदार सरोवर नर्मदा निगम के प्रबंध निदेशक एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजीवकुमार गुप्ता, सरदार सरोवर नर्मदा निगम के निदेशक सिविल एण्ड कमाण्ड एरिया डेवलपमेंट, जल संसाधन सचिव, विशेष सचिव और वरिष्ठ अभियंता आदि भी उपस्थित रहे।

आम आदमी पार्टी की गुजरात के 6 अलग अलग स्थानों से परिवर्तन की शुरुआत आज से

अहमदाबाद (ईएमएस) पंजाब विधानसभा चुनाव में शानदार जीत से उत्साहित आम आदमी पार्टी (आप) ऐसा करिश्मा गुजरात में दोहराने के लिए एडीचोटी का जोर लगा रही है गुजरात में आप ने बीटीपी के साथ चुनावी गठबंधन किया है आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हाल के दिनों में तीन बार गुजरात का दौरा कर चुके हैं अहमदाबाद और राजकोट में रोड शो भी किया है अब कल से आम आदमी पार्टी पूरे राज्य में परिवर्तन यात्रा निकालने जा रही है इसकी शुरुआत रविवार को राज्य के 6 अलग अलग स्थानों से होगी इस परिवर्तन यात्रा के जरिए आप राज्य के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचेगी और उनकी समस्याओं को उठाएगी आप के गुजरात प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया के नेतृत्व में सोमनाथ से सुबह 8 बजे परिवर्तन यात्रा निकलेगी गोपाल इटालिया के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष निमिषा खुंट, युवा प्रमुख प्रवीण राम, भगवान सोमनाथ का आशीर्वाद लेकर परिवर्तन यात्रा की शुरुआत करेंगे देवभूमि द्वारका से आप नेता ईसुदान गढवी, इंद्रनील राज्यगुरु और संगठन सचिव अजित लोखिल रविवार की सुबह 9 बजे भगवान द्वारकाधीश का दर्शन कर परिवर्तन की यात्रा की शुरुआत करेंगे सिद्धपुर से आप उपाध्यक्ष खेमाभाई चौधरी, संगठन सचिव रमेश नाभानी और महासचिव सागर रबारी रविवार सुबह 10 बजे परिवर्तन यात्रा शुरू करेंगे नवसारी के दांडी से आप के प्रदेश संगठन महासचिव मनोज सोरठिया, संगठन सचिव राम धड़ूक और राकेश हिरपरा शाम 4 बजे, वलसाड के उमरगाम से प्रदेश उपाध्यक्ष अर्जुन राठवा और बीटीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व विधायक महेश वसावा सुबह 10 बजे तथा कच्छ के अबडासा से आप के किसान संगठन के अध्यक्ष राजु करपडा और आप नेता कैलाशदान गढ़वी रविवार की सुबह 7 बजे परिवर्तन यात्रा की शुरुआत करेंगे आप की अलग अलग स्थानों से शुरू होनेवाली परिवर्तन यात्रा गुजरातभर में भ्रमण करेगी

ज्ञानवापी सर्वे पर ओवैसी ने उठाए सवाल, कहा- दूसरी मस्जिद शहीद नहीं होने देंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) दिसंबर में होनेवाले गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की राज्य में चहल पहल बढ़ गई है आगामी चुनाव को लेकर शनिवार को गुजरात आए एआईएमआईएम के चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में किए जा रहे सर्वे को लेकर सवाल उठाए उन्होंने कहा कि बाबरी मस्जिद धोखे से छीन ली है, लेकिन ज्ञानवापी मस्जिद छीनने नहीं देंगे मैं जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि ज्ञानवापी मस्जिद थी और रहेगी ओवैसी ने 1991 के कानून में स्पष्ट है कि 15 अगस्त 1947 के रोज जो भी धार्मिक स्थल था, उसमें किसी प्रकार की छेड़छाड़ या बदलाव नहीं किया जा सकता उन्होंने कहा कि 1991 में ज्ञानवापी मामल में इलाहाबाद कोर्ट ने स्टे जारी किया था अगर कोई 1991 के कानून के विपरीत जाकर मंदिर, मस्जिद, गिरजा घर इत्यादि से छेड़ाछाड़ या बदलाव करनेका प्रयास करता है उसके खिलाफ मुकद्दमा दर्ज करो इस मामले में आरोपी को 3 साल की सजा हो सकती है उन्होंने कहा कि केवल भाजपा ही नहीं बल्कि कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी समेत सभी राजनीतिक दल मुसलमानों को डराने का प्रयास कर रहे हैं ये सभी दल चाहते हैं कि मुसलमान केवल अपने घरों में मुसलमान बनकर रहें और घर से बाहर निकलें तब मुसलमान न रहें ऐसे में प्रधानमंत्री को ज्ञानवापी के मामले में मौन तोड़ना चाहिए, वह इस प्रकार मौन नहीं रह सकते प्रधानमंत्री भरुच के अयूब पटेल की बेटी की आंखों में आंसू देख भावुक हो जाते हैं, लेकिन 1991 के कानून पर खामोश रहते हैं जबकि प्रधानमंत्री की संवैधानिक जिम्मेदारी है प्रधानमंत्री को अपनी खामोशी तोड़ कहना चाहिए कि सरकार 1991 के कानून का पालन कराने के लिए कटिबद्ध हैं उन्होंने कहा कि पूरे देश से झूठ बोला गया कि मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद बनाई गई थी जबकि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया था कि मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाने के कोई प्रमाण नहीं हैं ओवैसी ने कहा कि मौजूदा दौर में मुसलमानों की संस्कृति खत्म करने की कोशिश की जा रही है देश में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी पर कोई बात नहीं की जा रही रुपया लगातार गिर रहा और उस पर भी बात नहीं की जा रही जबकि प्रधानमंत्री बनने से पहले नरेन्द्र मोदी कहते थे कि प्रधानमंत्री और रुपए के बीच स्पर्धा चल रही है एआईएमआईएम चीफ ओवैसी ने बीटीपी और आप के बीच हुई गठबंधन को लेकर कहा कि सभी राजनीतिक दलों के एलायंस करने का अधिकार है और कोई भी किसी के साथ जा सकता है कांग्रेस के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि गुजरात में 8 या 10 विधायक ही जीते तो कांग्रेस क्या करेगी? कांग्रेस ऐसी बैटरी हो जो दोबारा रिचार्ज नहीं हो सकती उन्होंने कहा कि भाजपा तोड़ने का काम करती है, जबकि मैं जोड़ने की बात करता हूं वोट गरीब देते हैं अमीर नहीं इसके बावजूद गरीबों का परेशान किया जाता है उन्होंने सवाल किया कि आखिर क्यों खंभात और हिम्मतनगर में मकान तोड़ने पर प्रधानमंत्री भावुक नहीं हुए एक सवाल के जवाब में ओवैसी ने कहा कि औरंगजेब की मजार पर चद्दर चढ़ाना गैरकानूनी नहीं है अगर गैरकानूनी है तो उसके लिए कानून बनाएं मदरसों में राष्ट्रगीत अनिवार्य करने पर ओवैसी ने कहा कि राष्ट्रगीत गाने से कोई इंकार नहीं कर सकता

एकतरफा शादी की धमकियों से तंग आकर नाबालिग लड़की ने आत्महत्या कर ली

खेडा (ईएमएस) जिले के कपडवंज में गत शनिवार को 17 वर्षीय एक नाबालिग लड़की के आत्महत्या करने के मामले में दंपत्ति और उसके बेटे समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है आरोप है कि चारों लोग नाबालिग लड़की पर शादी के लिए दबाव बना रहे थे, जिससे परेशान होकर लड़की ने यह कदम उठाया मृतक लड़की की शिकायत के मुताबिक वर्ष 2021 पड़ौस में रहनेवाले भरत मकवाणा का बेटा आकाश मकवाणा उसकी बेटी को परेशान कर रहा था तब उसे फटकार लगाई थी एक दिन आकाश की माता जयश्री मकवाणा ने धमकी दी थी कि तुम्हारी बेटी के शादी मेरे बेटे से करवानी होगी, वर्ना चैन से जीने नहीं देंगे इस संदर्भ में पुलिस थाने में शिकायत भी की थी और उस वक्त समाधान भी गया था लेकिन पड़ौस में रहनेवाले आकाश ने मेरी बेटी को परेशान करना बंद नहीं किया आकाश की हरकतों से तंग आकर बेटी को अन्य जगह भेज दिया इसके बावजूद एकतरफा प्यार में पागल आकाश ने उसकी बेटी का पीछा नहीं छोड़ा और परेशान करता रहा आकाश की हरकतों से बेटी इस कदर परेशान हो गई कि गत 7 मई की सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली पीड़ित माता की शिकायत के आधार पर खेडा जिले की कपड़वंज टाउन पुलिस ने भरत अंबालाल मकवाणा, जयश्री भरत मकवाणा, आकाश भरत मकवाणा और एक अन्य समेत चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है

शहर की सभी निजी अस्पताल, ओपीडी और सर्जरी बंद रहेगा

अहमदाबाद, १४ मई ।

अहमदाबाद शहर की ४०० से ज्यादा निजी अस्पताल और नर्सिंग होम के रजिस्ट्रेशन मामले में फोर्म सी रिन्युअल नहीं होने के मुद्दे पर १५ मई यानी कि आज शहर की सभी अस्पताल और नर्सिंग होम बंद रहेंगे । अस्पतालों और नर्सिंग होम में नियमित प्रवेश, ओपीडी सेवाएं और प्लान की गई सर्जरी की प्रक्रिया बंद रहेगी । उल्लेखनीय है कि एएचएनए द्वारा १४ मई को सुबह में साढ़े ८ बजे वल्लभ सदन, आश्रमरोड से एक विशाल रैली और धरने का आयोजन किया गया है । यह रैली में डॉक्टरों, अस्पताल के कर्मचारी, मरीजों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों बड़ी संख्या में हिस्सा ले ऐसी संभावना है । यह जानकारी अहमदाबाद होस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स एसोसिएशन द्वारा दी गई थी ।

एएचएनए द्वारा कहा गया है कि १५ मई को वल्लभसदन, आश्रमरोड में सुबह में ९ से १२ के दौरान रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है । जिसके द्वारा हमने पदाधिकारियों को संदेश देना चाहते है कि, इतना बाधाओं के बावजूद भी हमने हमारा श्रेष्ठ कार्य चालू रखते है । एएचएनए की शिकायत है कि प्रशासन के समक्ष कई बार इस प्रश्नों के मुद्दे पर पेशकश की गई फिर भी समस्या का कोई समाधान नहीं आ सका है । अब उल्लेखनीय है कि १९४९ से २०२१ तक सभी अस्पताल और नर्सिंग होम्स बोम्बे नर्सिंग होम्स रजिस्ट्रेशन एक्ट १९४९ के तहत अस्पतालों का रजिस्ट्रेशन के लिए दस्तावेज उपलब्ध करा रही है और इसकी वजह से अस्पतालों और नर्सिंग होम्स कोई भी प्रकार की समस्या बिना रजिस्ट्रेशन किया गया है ।

अक्टूबर २०२१ से अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने यह अधिनियम के तहत रजिस्ट्रेशन के लिए वेलिड बिल्डिंग यूज मंजूरी मांगने की शुरूआत की जिसकी वजह से यह परिस्थिति पैदा हो गई है ।

भीषण गर्मी से मिलेगी राहत, अगले पांच दिन हिटवेव की कोई संभावना नहीं

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर समेत राज्यभर में भीषण गर्मी से परेशान लोगों के लिए राहत की खबर आई है मौसम विभाग के मुताबिक अगले पांच दिनों के दौरान राज्य में हिटवेव की कोई संभावना नहीं है फिलहाल राज्य में वातावरण सूखा रहेगा और दक्षिण की हवा चलने से लोगों को गर्मी में थड़ी राहत मिलेगी इस दौरान राज्य में तापमान 40 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है शुक्रवार को अहमदाबाद में गरमी का पारा 43.3 डिग्री दर्ज हुआ था हांलाकि शुक्रवार की शाम हवा चलने से रात्रि के दौरान वातावरण काफी ठंडा हो गया था लेकिन शनिवार की सुबर सूर्य के मध्यम आसमान में पहुंचने के साथ ही गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए शनिवार को अहमदाबाद में तापमान 43 डिग्री के आसपास रहा इस बीच मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक गर्मी से राहत मिलने संभावना व्यक्त की है गौरतलब है कि पिछले कई दिनों में भीषण गर्मी और चमड़ी जला देनेवाले धूप ने लोग त्राहिमाम करने लगे थे मौसम विभाग के मुताबिक रविवार से राज्य के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आने से लोगों को गर्मी से आंशिक राहत मिलेगी

कांग्रेस तीन दफा हार चुके उम्मीदवारों को आगामी चुनाव में टिकट नहीं देगी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा के इस साल के अंत में होनेवाले चुनाव की सभी राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं कांग्रेस ने आगामी चुनाव में 'नो रिपिट थियरी' का फैसला किया है कांग्रेस उन उम्मीदवारों को चुनाव में टिकट नहीं देगी जो संबंधित सीट से तीन दफा हार चुके हैं ऐसे उम्मीदवारों की जगह नए चेहरों और जो जीत सकें उन्हें टिकट दिया जाएगा राजस्थान के उदयपुर में कांग्रेस की चिंतन शिबिर चल रही है और उसमें आगामी विधानसभा चुनाव समेत देश की राजनीति के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जा रही है सूत्रों के मुताबिक गुजरात विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस 'नो रिपिट थियरी' अपनाएगी तीन दफा चुनाव हार चुके उम्मीदवारों को टिकट नहीं दिया जाएगा इतना ही नहीं जिस जाति के उम्मीदवार को तीन बार टिकट दिए जाने के बावजूद उसकी हार हुई है, उस जाति से किसी को उम्मीदवार नहीं बनाया जाएगा सबसे अधिक आबादी वाली जाति के उम्मीदवारों को टिकट दिया जाएगा सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस के भीतर सक्षम उम्मीदवारों की तलाश शुरू कर दी गई है आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एडीचोटी का जोर लगा देगी और ऐसे लोगों को उम्मीदवार बनाएगी जो जीत सकें कांग्रेस के चिंतन शिबिर में गुजरात समेत जिन राज्यों में इस वर्ष चुनाव होने हैं, उन राज्यों को लेकर भी शीर्ष नेतृत्व चर्चा कर रहा है

होटल की पार्किंग में खड़े कंटेनर में से गांजा पकड़ा गया

बारडोली, १४ मई ।

सूरत जिले के कामरेज तहसील के उंभेल नेशनल हाइवे नंबर ४८ पर से होटल की पार्किंग में दो दिन से खड़े कंटेनर ट्रक की शुक्रवार को एसओजी द्वारा होटल मालिक की खुद ताला खोलकर जांच की गई थी । जिसमें कंटेनर में से कुल ३० थैलियों में से ७०१.१०० किलोग्राम गांजा का ७०.११ लाख रुपये का जत्था मिल जाने पर कब्जे में लिया गया था । ट्रक की ड्राइवर केबिन में से अन्य नंबर की नंबर प्लेट भी मिल गई थी । सूरत जिला एसओजी की टीम ने गुरुवार को शाम के समय में हेड कॉन्स्टेबल रोहित बाबूभाई को मिली जानकारी के आधार पर उभेल गांव में नेशनल हाइवे पर नंबर ४८ पर स्थित महादेव होटल की के पीछे के हिस्से में पार्किंग में जांच की थी । पुलिस की टीम पार्किंग में जाने पर लावारिस कंटेनर ट्रक नंबर (एचआर-४६-डी-७३३७) में पीछे के हिस्से में दो ताला लगाये गये थे । ट्रक की केबिन में ड्राइवर या अन्य कोई नहीं मालूम होने पर पुलिस ने होटल मालिक सहदेवसिंह शंकरसिंह राजपुरोहित (निवासी-उभेल, मूल निवासी-राजस्थान) को ट्रक के पास लाकर पूछताछ करने पर कंटेनर ट्रक होटल के पार्किंग में दो दिन से खड़ा है और ड्राइवर सहित कोई दिखाई नहीं देता है यह बताया था ।

जिसकी वजह से पुलिस ने ट्रक के ड्राइवर केबिन का दरवाजा खोलने पर ट्रक चालू करने की जगह पर चाबी थी । जिसके साथ दूसरी दो चाबी थी । जिस चाबी से कंटेनर के पीछे के हिस्से में लगाये गये ताला खोलने पर कंटेनर में २४ थैली में वनस्पतिजन्य गांजा भरा हुआ था ।

ड्राइवर केबिन में सीट नीचे के हिस्से अन्य नंबर की नंबर प्लेटों भी मिल गई थी तथा बोडी के पीछे के हिस्से में चोरखाना बनाकर दरवाजा रखा था । पुलिस ने चोरखाना खोलने पर इसमें से ज्यादा ६ थैली में गांजा मिल गया था । पुलिस ने कुल ३० थैली में से ७०१.१०० किलोग्राम गांजा कीमत ७०,११,००० रुपये का जत्था जब्त करके एफएसएल से परीक्षण कराया था ।

मेरी इच्छा नहीं हो तो भी पति जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाता

अहमदाबाद, १३ मई ।

शहर के पॉश क्षेत्र में रहती एक महिला को लव मैरिज करना भारी पड़ गया है । पति और सास ससुर घरकाम की छोटी छोटी बातों में महिला के साथ झगड़ा करके मारपीट करके अत्याचार करने पर और बेटा बीमार होने के बावजूद भी इसकी कोई देखभाल नहीं करने पर अंत में परेशान होकर महिला ने पुलिस शिकायत दर्ज कराई है । पॉश क्षेत्र में रहती एक महिला ने वर्ष २००४ में लव मैरिज किया था । शादी के बाद यह इसके पति के साथ संयुक्त परिवार में रहने के लिए गई थी । शादी के तीन वर्ष तक इसकी सास ने इसे अच्छे तरीके से रखी थी । लेकिन बाद में इसकी सास इसे घरकाम की छोटी छोटी बातों में अक्सर ताना मारते थे । हालांकि, महिला के पति इसे अच्छे तरीके से रखते होने से महिला यह मामले में ध्यान में नहीं लेती थी । कुछ दिन के बाद इसका पति भी इसकी सास का पक्ष लेकर घरकाम मामले में वादविवाद करके मारपीट करता था । पूरा दिन महिला को घरकाम कराते थे और किसी भी प्रकार की मदद नहीं करते थे । महिला का आरोप है कि इसका पति कई बार इसकी इच्छा नहीं हो तो भी पति जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाता था । हालांकि महिला का बेटा बीमार रहते होने से बाहरगाम इसे उपचार के लिए ले जाने की भी इसके पति ने मना कर दिया था । जिसकी वजह से महिला बेटे को लेकर उपचार के लिए अहमदाबाद आई थी । जहां इसका पति इसे मिलने के लिए भी नहीं आता था । महिला पर मानसिक अत्याचार करने पर वह डिप्रेशन में आ गई थी । हालांकि इसका पति बेटा की इलाज और भरणपोषण का खर्चा नहीं देते होने की वजह से शिकायतकर्ता ने महिला पुलिस स्टेशन में अर्जी दी थी । जिसे लेकर भी इसके पति इसे वाट्सपर पर धमकी देता था । अंत में महिला ने शिकायत दर्ज कराने पर पुलिस ने शिकायत दर्ज करके आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

राज्य में कोरोना के 31 नए मरीज, सबसे अधिक 20 केस अहमदाबाद में हुए दर्ज

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर समेत राज्यभर में शनिवार को कोरोना के 31 नए मामले सामने आए हैं जिसमें सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन के 20 केस शामिल हैं इस दौरान 24 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया पिछले कई दिनों से अहमदाबाद में डबल डिजिट में कोरोना के केस दर्ज हो रहे हैं पिछले 24 घंटों के दौरान अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 20, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 6, राजकोट कॉर्पोरेशन में 3, भरुच में 1 और सूरत कॉर्पोरेशन 1 समेत राज्यभर में कोरोना के 31 नए मरीज सामने आए हैं जबकि अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 18, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 3, राजकोट कॉर्पोरेशन में 2 और अहमदाबाद में 1 समेत 24 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या 218 है, जिसमें 216 स्टेबल हैं और दो मरीज वेन्टीलेटर पर हैं राज्य में डिस्चार्ज होनेवालों की संख्या 1213526 है वहीं कोरोना से राज्य में 10944 मरीजों की मौत हो चुकी है राज्यभर में शनिवार को 23876 नागरिकों का टीकाकरण किया गया सबसे अधिक अहमदाबाद शहर में 5989 नागरिकों को टीका लगाया गया आणंद में 2033, सूरत शहर में 1276, वडोदरा शहर में 1202, राजकोट शहर में 1412, बनासकांठा में 1848 समेत राज्यभर में कुल 23876 लोगों का टीकाकरण किया गया राज्य में अब तक 108676721 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है

हमेशा चार्ज रहिए- वनप्लस 10 आर5जी भारत में लॉन्च

☐ यह स्मार्टफोन इंडस्ट्री को नई राह दिखाने वाली तेज चार्जिंग, मीडिया टेक डायमेंसिटी 8100 मैक्स के चिपसेट और 120 हर्ट्ज के फ्लूड एमोलेड डिस्प्ले के साथ मिलता है

☐ वनप्लस 10 आर5जी की तस्वीरें देखने के लिए कृपया यहां क्लिक करें

वैश्विक टेक्नो1लॉजी ब्रैंड वन प्लस ने आधिकारिक रूप से अपना नया वन प्लस 10आर भारत में लॉन्च कर दिया है। वन प्लस 10आर 150 वॉट के सुपरवूक एंडयूरेंस संस्करण से लैस है। इस वन प्लस स्मार्टफोन में पहली बार सबसे तेज वायर्ड चार्जिंग दी गई है। यह फोन इंडस्ट्री में अब तक के चार्जिंग के सबसे तेज मानक पेश करता है। इस डिवाइस को परंपरागत और विशेषतौर पर एक्सक्लूसिव मीडिया टेक डायमेंसिटी के 8100-मैक्स के चिपसेट से पावर मिलती है। इसमें 120 हर्ट्ज का फ्लूड एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है। इसके साथ ही आज की तारीख तक वन प्लस के किसी डिवाइस में इतना बड़ा और एडवांस्ड कूलिंग सिस्टम नहीं दिया गया है, जितना इस डिवाइस में दिया गया है।

वन प्लस इंडिया के सीईओ और इंडिया रीजन के हेड नवनीत नाकरा ने कहा, ''वन प्लस आर सीरीज को टॉप हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का बेहतरीन और बिना किसी रुकावट के जुड़ाव संभव बनाने के लिए विकसित किया गया है। इससे यह सभी यूजर्स, खासतौर से गेमिंग के शौकीनों के लिए सहज और सुलभ बनाता है। वन प्लस 10आर इंडस्ट्री को प्रमुख तकनीक प्रदान करने वाली 1500 वॉट की सुपरवूक एंडयूरेंस टेक्नोलॉजी प्रतिस्पर्धी कीमत पर फोन प्रदान करती है। मीडिया टेक डाइमेंसिटी 8100 मैक्स के चिपसेट, हाई रिफ्रेश रेट डिस्प्ले और एडवांस कूलिंग सिस्टम के साथ मिलने वाली हमारी सबसे तेज चार्जिंग टेक्नोलॉजी वन प्लस 10 आर को वास्तविकता में असाधारण परफॉर्मेंस देने के काबिल बनाती है।''

पानी के अंदर भी होगा पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक नौसेना को मिलेंगे 2 घातक युद्धपोत

सूरत (ईएमएस)। समुद्र में भारतीय नौसेना की ताकत में इजाफा होने जा रहा है। भारतीय नौसेना के दो अग्रिम मोर्चे के युद्धपोतों का रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 17 मई को उद्घाटन करेंगे। ये युद्धपोत 'सूरत' और 'उदयगिरि' हैं। सूरत 15बी डेस्ट्रॉयर प्रोजेक्ट का और उदयगिरि 17ए फ्रिगेट प्रोजेक्ट का युद्धपोत है। यह पी17 फ्रिगेट (शिवालिक श्रेणी) का उन्नत संस्करण है, जिसमें बेहतर हथियार और सेंसर तथा मंच प्रबंधन प्रणाली लगी हैं। इनका उद्घाटन मुंबई के मझगांव डॉक्स लिमिटेड पर किया जाएगा। सूरत प्रोजेक्ट 15बी डेस्ट्रॉयर का चौथा जहाज है जो पी15ओ डेस्ट्रॉयर्स (कोलकाता क्लास) का उन्नत संस्करण है और इसे गुजरात की व्यावसायिक राजधानी का नाम दिया गया है। ये युद्धपोत रडार को चकमा देने की प्रणाली से युक्त है। इससे पानी के अंदर भी पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करने में मदद मिलेगी। उदयगिरि अपने प्रोजेक्ट का तीसरा जहाज है और इसका नाम आंध्र प्रदेश में पर्वतीय श्रृंखला के नाम पर दिया गया है।

सूरत (ईएमएस)। समुद्र में भारतीय नौसेना की ताकत में इजाफा होने जा रहा है। भारतीय नौसेना के दो अग्रिम मोर्चे के युद्धपोतों का रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 17 मई को उद्घाटन करेंगे। ये युद्धपोत 'सूरत' और 'उदयगिरि' हैं। सूरत 15बी डेस्ट्रॉयर प्रोजेक्ट का और उदयगिरि 17ए फ्रिगेट प्रोजेक्ट का युद्धपोत है। यह पी17 फ्रिगेट (शिवालिक श्रेणी) का उन्नत संस्करण है, जिसमें बेहतर हथियार और सेंसर तथा मंच प्रबंधन प्रणाली लगी हैं। इनका उद्घाटन मुंबई के मझगांव डॉक्स लिमिटेड पर किया जाएगा। सूरत प्रोजेक्ट 15बी डेस्ट्रॉयर का चौथा जहाज है जो पी15ओ डेस्ट्रॉयर्स (कोलकाता क्लास) का उन्नत संस्करण है और इसे गुजरात की व्यावसायिक राजधानी का नाम दिया गया है। ये युद्धपोत रडार को चकमा देने की प्रणाली से युक्त है। इससे पानी के अंदर भी पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करने में मदद मिलेगी। उदयगिरि अपने प्रोजेक्ट का तीसरा जहाज है और इसका नाम आंध्र प्रदेश में पर्वतीय श्रृंखला के नाम पर दिया गया है।

केन्द्री य रेल राज्य मंत्री द्वारा ऊंझा में इन्फ्रास्ट्र क्चजर क्षमता और यात्री सुविधाओं में वृद्धि के लिए कई परियोजनाओं का उद्घाटन

अहमदाबाद (ईएमएस) केन्द्री य रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने 13 मई, 2022 को ऊंझा रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में तीव्र कनेक्टिविटी के साथ-साथ संरक्षा और सुविधा बढ़ाने से संबंधित विभिन्न इन्नात ए परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस अवसर पर गुजरात सरकार के सड़क और भवन, परिवहन, नागरिक उड्डयन, पर्यटन और तीर्थ विकास मंत्री पूर्णेश मोदी; गुजरात के माननीय पूर्व उप मुख्यमंत्री नितीनभाई पटेल; माननीय सांसदगण श्रीमती शारदाबेन पटेल, भरतसिंहजी डाभी, परबतभाई पटेल; जुगलसिंह लोखंडवाला, दिनेशचंद्र अनावाडीया तथा माननीय विधायकगण रमणभाई पटेल, अजमलजी ठाकोर एवं करशनभाई सोलंकी एवं अन्य विशिष्टे अतिथिगण के साथ-साथ पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक तरुण जैन और वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार संरक्षा, गति और गतिशीलता को बढ़ाने के लिए माननीया केन्द्रीरय रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने पालनपुर-उमरदशी, ऊंझा-भांडु मोटीदाउ खंड में नवनिर्मित सड़क ऊपरी पुलों और पालनपुर स्टेशन पर ट्विन सड़क ऊपरी पुल (नंबर 1)

और अहमदाबाद मंडल के पालनपुर यार्ड में एक पैदल सबवे का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में माननीया केन्द्री य रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री ने भारतीय रेल के साथ-साथ पश्चिम रेलवे के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा किया और रेलवे द्वारा इस क्षेत्र में लाए जा रहे नए और सकारात्मक परिवर्तनों का स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन लोक कल्याणकारी परियोजनाओं से यात्रियों की संरक्षा और सुरक्षा बढ़ेगी और सभी हितधारकों के लिए यात्रा में सुविधा होगी और यह अधिक सुगम होगी। ठाकुर ने आगे बताया कि नए सड़क ऊपरी पुलों को समपारों (एलसी नं. 170, 206, 208बी) के स्थान पर बनाया गया है, जबकि पालनपुर यार्ड में एक ट्विन आरओबी (नंबर 1) का निर्माण किया गया है। इन सड़क ऊपरी पुलों को डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (डीएफसीसीआईएल) और राज्य सरकार (208बी के स्थोन पर आरओबी के मामले में) के साथ साझा लागत के आधार पर 148.77 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किया गया है। इन परियोजनाओं का रेल यातायात की समयपालनता सुनिश्चित करने के साथ-साथ संरक्षा और ट्रेनों की गति बढ़ाने पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आरओबी वाहनों की आवाजाही के लिए एक सुगम और सुरक्षित विकल्प प्रदान करता है जिससे भीड़भाड़ कम होती है। यह भांडु, विसनगर, जेतल वासना, एम्बीपुरा, पालनपुर आदि के लोगों के लिए राज्यय मार्ग के साथ बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेंगे। इसके अलावा डीएफएफसीआईएल द्वारा पालनपुर स्टेशन पर 3.5 करोड़ रुपये की लागत से एक नया पैदल सबवे का निर्माण किया गया है। सबवे के दोनों सिरों पर रैंप हैं और यह दिव्यांगजनों सहित पैदल चलने वालों को आसान और सुरक्षित आवाजाही की सुविधा प्रदान करेगा।

अहमदाबाद और आगरा कैंट के बीच चलेगी ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए अहमदाबाद और आगरा कैंट के बीच विशेष किराये पर ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की 14 ट्रिप चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

ट्रेन संख्या 04168/ 4167 अहमदाबाद-आगरा कैंट-अहमदाबाद सा? स्पेशल ट्रेन 14 ट्रिप

ट्रेन संख्या 04168 अहमदाबाद - आगरा कैंट स्पेशल दिनांक 16 मई से 27 जून 2022 तक अहमदाबाद से प्रति सोमवार 15:05 बजे रवाना होकर अगले दिन 06:30 बजे आगरा कैंट पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 01467 आगरा कैंट - अहमदाबाद स्पेशल दिनांक 15 मई से 26 जून 2022 तक आगरा कैंट से प्रति रविवार 20:20 बजे रवाना होकर अगले दिन सोमवार को 11:00 बजे अहमदाबाद पहुं